महाविद्यालय समाचार दर्शन

अंक- ३०

अप्रैल २०२१ से जून २०२१

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ एवं कोरोना मुक्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रम

प्रमुख सुर्खियाँ

- कोरोना मुक्ति के लिए ऑनलाईन ड्राइंग, पेंटिंग, मेंहदी, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन।
- ऑनलाईन वेबीनार का आयोजन।
- युवा शक्ति कोरोना मुक्ति अभियान।
- होम आइसोलेशन ऑनलाईन काउंसलिंग
- वेक्सिीनेशन कैम्प का आयोजन

'पहला सुख निरोगी काया' : डॉ. महेंद्र सिंह रघुवंशी

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) रश्मि श्रीवास्तव
गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

संपादक मण्डल
डॉ. श्रीकान्त दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार
मुद्रण एवं ग्राफिक्स
जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश कुमार यादव एवं मनोज कुमार सिसोदिया

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)

प्राचार्य की कलम से.....

महाविद्यालय समाचार दर्शन के तीसवें अंक के प्रकाशन पर अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रही हूँ। महाविद्यालय द्वारा युवा शक्ति कोरोना मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का ऑनलाईन संचालन किया गया साथ ही होम आईसोलेशन में रहने वाले लोगों, वृद्धजनों दिव्यांगजनों की काउंसलिंग की जिम्मेदारी महाविद्यालय को सौपी गई, जिसके तहत सोशल मीडिया के माध्यम से कोरोना एवं पोष्ट कोरोना में पोषण, चिकित्सीय परामर्श, वैक्शीनेशन की विस्तृत जानकारियॉ विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा निशुल्क प्रदान की गई।

महाविद्यालय की छात्राओं हेतु ऑनलाईन वेबीनार, वैक्शीनेशन कैम्प, का आयोजन किया गया। कोरोना मुक्ति अभियान एन.सी.सी, एन.एस.एस. प्रभारियों की सराहना करूंगी जिने अथक प्रयासों से हम कार्यक्रमों का आयोजन कर पाये।

मैं समाचार दर्शन की पूरी टीम की भी सराहना करना चाहूंगी, जिन्होने सारी गतिविधियों का संग्रहण कर उसे मूर्त रूप देकर प्रस्तुत किया।

मैं इस अंक के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन

प्राचार्य एवं संरक्षक

संपादकीय .....

महाविद्यालय 'समाचार दर्शन' का तीसवां अंक आपके सामने प्रस्तुत है। 'समाचार दर्शन' के पूर्व में प्रकाशित अंकों में आपकी सराहना से हम हर्षित है। आपकी प्रेरणा से प्रेरित हो नवीन अंक को ओर अधिक बेहतर बनाने हेतु प्रेरित है। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रथम टेस्ट एवं विश्वविद्यालयीन सेमेस्टर परीक्षाओं के माध्यम से अपनी योग्यता एवं गुणवत्ता का लोहा मनबाया है। शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर उपलब्धियों के मान से यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा है। जिन छात्राओं ने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। उन्हें शुभकामनाएँ।

कोरोना काल में महाविद्यालय द्वारा की गई अनेक गतिविधियों को संग्रह कर हमारी पूरी टीम द्वारा किया गया जिसके द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित करती हूँ। जिनके अथक प्रयासों से हम यह अंक प्रस्तुत कर पाये।

कोरोना मुक्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रम

ड्राइंग, पेंटिंग प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 05.04.21 को कोरोना की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान के अंतर्गत ड्राइंग, पेंटिंग प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया कोविड नियमों का पालन करते हुए कोरोना की जागरूकता के लिए इस प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया ।

प्रतियोगिता में लगभग 20 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान पर कुमारी पलक जैन बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर कुमारी मनीषा प्रजापति बीएससी द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान पर कुमारी राजी साध बीएससी द्वितीय वर्ष रही ।निर्णायक के रूप में डॉ पुष्पा दुबे, डॉ हर्षा चचाने एवं डॉ रामबाबू मेहर में सहयोग प्रदान किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने सहभागिता करने वाली और प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सतर्कता से ही कोरोना को परास्त कर सकते हैं, इस कोविड संक्रमण के समय अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रखना होगा हमें नियमित योग, प्राणायाम को दिनचर्या में सम्मिलित करना होगा। इस महामारी से बचने के लिए सतर्कता के साथ –साथ सकारात्मक सोच भी अति आवश्यक है।

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में कोरोना के रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में एवं संयोजक डॉ ज्योति जुनगरे एवं डॉ. हर्षा चचाने के नेतृत्व में ऑनलाइन किया गया।

प्रतियोगिता में 25 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय के अतिरिक्त प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाली 6 छात्राओं को भी डॉ. जैन ने पुरस्कृत किया और सभी प्रतिभागिता करने वाली छात्राओं को कोरोना से बचाव संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभांगी राजपूत योग साइंस, द्वितीय– संजना सिंह ठाकुर बीकॉम प्रथम वर्ष , तृतीय स्थान अंकिता विश्वकर्मा योग विभाग इसके अतिरिक्त मोनिका चौरे, दीक्षा चौरे, कविता राजपूत को भी प्राचार्य डॉ श्रीमती कामनी जैन द्वारा पुरस्कृत किया गया।

स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कोरोना की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्लोगन प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया कोविड नियमों का पालन करते हुए कोरोना की जागरूकता के लिए इस प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में लगभग 22 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान पर कुमारी अंतिमा मेहता एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर रसायन शास्त्र, द्वितीय स्थान पर कुमारी राजी साध बीएससी द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान पर कुमारी मेघा बीएससी प्रथम वर्ष रही। निर्णायक के रूप में डॉ रीना मालवीय, श्री शैलेन्द्र तिवारी एवं एवं श्री देवेन्द्र सैनी सहयोग प्रदान किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.श्रीमती कामिनी जैन ने सहभागिता करने वाली और प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सतर्कता से ही कोरोना को परास्त कर सकते हैं, इस कोविड संक्रमण के समय अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रखना होगा हमें नियमित योग, प्राणायाम को दिनचर्या में सम्मिलित करना होगा। इस महामारी से बचने के लिए सतर्कता के साथ –साथ सकारात्मक सोच भी अति आवश्यक है।

गीत/कविता प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में कोरोना की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान के अंतर्गत गीत/कविता प्रतियोगिता का सर्च एंड रिसर्च डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वाधान में ऑनलाइन आयोजन किया गया।

कोविड 19 के नियमों का पालन करते हुए कोरोना की जागरूकता के लिए गीत प्रतियोगिता में कुल 5 और कविता प्रतियोगिता में 16 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें छात्राओं ने कोरोना को लेकर अपने विचारों को गीत और कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया। जिसमें सोनल पाण्डे द्वारा कविता प्रस्तुत की गई जो प्रथम स्थान पर रहीं।

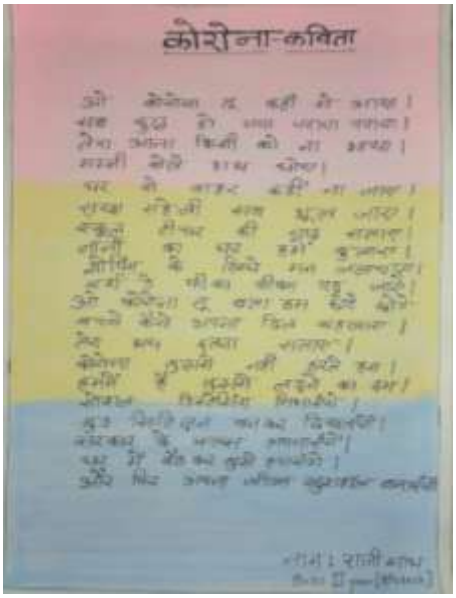

लापरवाही ना करना है,जागरूक हमें होना है।
घर से बाहर ना निकलें, फैला बाहर कोरोना है।
जिसने समझा खेल इसे, आखिर में रोना पड़ता है।
घर से बाहर ना निकलें, फैला बाहर कोरोना है।

जिसमें गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सिद्धा सांई बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर रानी सांगले एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान पर कुमारी रिया मेहरा बीएससी प्रथम वर्ष रही। इसी कड़ी में कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सोनल पांडे बीए तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर कुमारी शीतल पांडे बीए द्वितीय वर्ष एवं तृतीय स्थान पर कुमारी वैशाली बकोरिया एमएसडब्ल्यू द्वितीय सेमेस्टर, रहीं।

निर्णायक के रूप में डॉ पुष्पा दुबे, डॉ श्रुति गोखले एवं श्री प्रेमकान्त कटंगकार ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने विजेता रही छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि जिस तरह आप सभी छात्राओं ने अपने गीत एवं कविताओं के माध्यम से कोरोना की रोकथाम संबंधी विचारों को व्यक्त किया है, उन्हें उसी प्रकार आत्मसात करना होगा और सतर्कता के साथ कोरोना संक्रमण को परास्त करना होगा। जिसके लिए आप सभी को सकारात्मक सोच एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग और जागरूक रहने की आवश्यकता है।

मेहंदी प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में सर्च एवं रिसर्च डेवलपमेंट सोसाइटी भोपाल के तत्वाधान में कोरोना महामारी से बचाव तथा सुरक्षित और स्वस्थ जीवन के लिए जन जागरूकता अभियान अंतर्गत कोविड 19 नियमों का पालन करते हुए मेहंदी प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक की ऑनलाईन प्रस्तुति की गई।

प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन एवं संयोजक डॉ हर्षा चचाने एवं डॉ.ज्योति जुनगरे के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में 12 प्रतिभागियों ने सहभागिता की जिसमें प्रथम स्थान सुरभि सोनी बीकॉम तृतीय वर्ष, ,द्वितीय स्थान संजना सिंह ठाकुर बीकॉम प्रथम वर्ष , तृतीय स्थान सुरभि उदयपुरिया बीएससी द्वितीय वर्ष सीएनडी तथा अंशिका गुप्ता बीए प्रथम वर्ष रही। कोरोना से बचाओ। नुक्कड़ नाटक मोनिका चौरे, पूजा पटेल, दीक्षा चौरे, सौम्या गुरु, भाग्यश्री

राणा, ज्योति मेहरा, और अमीषा गौर, प्रतिमा, सलोनी राजपूत, वंदना, पूर्णिमा, अंकिता ने प्रस्तुति दी।

''युवा शक्ति, कोरोना मुक्ति' शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य श्रीमती डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में ''युवा शक्ति, कोरोना मुक्ति'' अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन बताया कि आज टीकाकरण को लेकर अनेक भ्रांतियां युवाओं के साथ सभी आयु वर्ग के लोगों में देखी जा रही जिससे टीकाकरण अभियान पर प्रभाव पड रहा है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी वर्ग का प्रेरक के रूप में उपयोग कर टीकाकरण एवं कोविड अनुकूल व्यवहार के प्रति जनजागरूकता फैलाना है। यह कार्य तीन चरणों में किया जायेगा इस हेतु अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य जिला टीकाकरण अधिकारी तकनीकी शिक्षा प्राचार्य का प्रशिक्षण 12 जून 2021 को हो चुका है द्वितीय चरण में आज दिनॉक 15.06.2021 जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों के 2 – 2 प्राध्यापकों का प्रशिक्षण हुआ तृतीय चरण में दिनॉक 19 जून से 31 जुलाई तक विद्यार्थियों का प्रशिक्षण महाविद्यालयों में किया जायेगा। उन्होने सभी मास्टर ट्रेनर्स का वाट्सएप्प ग्रुप बनाने हेतु निर्देशित किया जिससे कि प्रभावी मानिटरिंग की जा सके।

कोविड मुक्ति अभियान: मुख्यमंत्री ने वर्चुअल क्लास में महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं से किया संवाद

अक्षर सम्राट, होशंगाबाद।

शुक्रवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की उपस्थिति में कोविड मुक्ति अभियान के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में उच्च शिक्षा मंत्री डा मोहन यादव ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कोरोना संक्रमण रोकने की दिशा में एक पहल है जिसके तहत अधिक से अधिक वैक्सीनेशन एवम कोविड प्रोटोकाल का पालन कराया जा सके, उन्होंने विस्तार से कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। मुख्य मंत्री ने विभिन्न जिलों के महाविद्यालयों में वर्चुअल क्लास एवम अन्य ऑनलाइन माध्यमों से जुड़े विभिन्न जिलों के महाविद्यालयों के छात्र एवम छात्राओं से बात की एवम जानने का प्रयत्न किया की छात्र, छात्राओं में कोविड वैक्सीनेशन तथा कोविड प्रोटोकाल के संबंध में कितनी जागरूकता है।मुख्यमंत्री से संवाद में छात्र छात्राओं ने विस्तार से बात की तथा शासन की कोविड के रोकथाम की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से उन्हें अवगत कराया।

उन्होंने बताया की इस महामारी के दौरान दिवंगत हुए शासकीय सेवकों के परिवार के लिए शासन ने विभिन्न योजनाएं प्रारंभ की जिससे उन परिवारों के भरण पोषण में कोई कठिनाई नहीं हो। होशंगाबाद जिले के असगी महाविद्यालय की प्राचार्य डा कामिनी जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम में सभी महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं एवम प्राध्यापक सम्मिलित हुए तथा शासन की कोविड के रोकथाम की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत हुए। कार्यक्रम का प्रसारण सभी महाविद्यालयों में ऑनलाईन हुआ।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.नलिनी गौर ने कहा कि कोरोना का कोई इलाज नहीं है अभी इसकी दूसरी लहर चल रही है भविष्य में और भी लहर आ सकती हैं केवल वैक्सीन ही एकमात्र उपचार है। होशंगाबाद में जनवरी 2021 से वैक्सीनेशन कार्य शुरू हुआ है पहले चरण में फ्रंट लाइन वर्कर्स दूसरे चरण में 60 प्लस़ तीसरे चरण में 45 प्लस़ चौथे चरण में 18 प्लस आयु वर्ग लोगो को वैक्सीन लगाई जा रही है। सप्ताह में

सोमवार, बुधवार, गुरुवार, एवं शनिवार 4 दिन वैक्सीनेशन कार्य चल रहा है जिला स्तर पर ऑनलाइन एवं अन्य केंद्रों पर ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन कि सुविधा दी जा रही है।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर आर चंद्राकर ने कहा वैक्सीनेशन ही एक मात्र उपचार है बाकी सब सहायक दवाइयां हैं शासन की मंशा है डॉ. रागिनी सिकरवार विभाग विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र ने बताया कि 18 जून को मुख्यमंत्री माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा कोवि संदेश ऐप लांच किया जा रहा है जिसमें प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थियों का डेटाबेस कलेक्ट किया जाएगा एवं प्रतिदिन अध्यापकों द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी इस ऐप के माध्यम से संग्रहित की जाएगी एवं प्रतिदिन 50 – 50 छात्र – छात्राओं का बैच बनाकर कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए प्रशिक्षण दिया जाएगा साथ ही उन्होंने वैक्सीन के निर्माण परिवहन संग्रहण की प्रक्रिया एवं वैक्सीनेशन को लेकर के जनसामान्य में व्याप्त भ्रांतियो एवं उनके वैज्ञानिक तथ्यों को विस्तार से समझाया तथा विद्यार्थियों को स्लोगन के माध्यम से जन जागरूकता के लिए प्रेरित किया जाए

माह मई 2021 (होमआईसोलेशन) प्रेस न्यूज

सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्स्कीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं

आहार ऐसा जो हमारे लिये उपयुक्त हो : प्राचार्य जैन

स्वदेश संवाददाता, होशंगाबाद

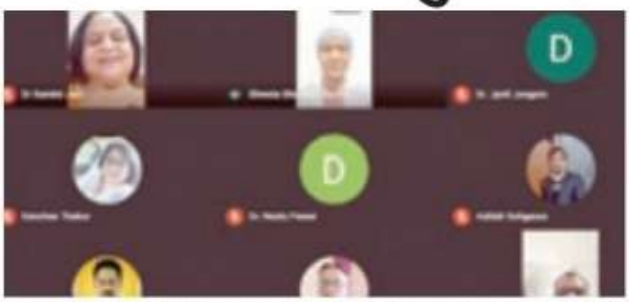

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय, होशंगाबाद प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि शासन की ओर से होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों की काउंसलिंग का कार्यभार महाविद्यालय को सौंपा गया है। उसके अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श दिया जाता है। सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्स्कीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धजन समय-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेज रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान में गूगल मीट के द्वारा 10 मई 2021 सोमवार से 13 मई 2021 गुरुवार तक सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद किया गया है और उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया है। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक 'शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद' आयोजित किया जा रहा है। इन सत्रों में डाइटीशियन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिये पोषण और चिकित्स्कीय परामर्श प्रदान किया जायेगा। प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व है। बीमारी के समय शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। यदि दवाओं के साथ पोषक तत्व भोजन में लिये जायें तो बीमारी से शीघ्र मुक्ति पाई जा सकती है। वर्तमान में कोरोना महामारी में दी जाने वाली दवाओं से शरीर पर प्रभाव हो रहा है, उससे बचने के लिये शारीरिक रूप से मजबूत होना जरुरी है। इसमें भोजन सहायक सिद्ध होता है। महाविद्यालय में इस हेतु सीएनडी विभाग के माध्यम से प्रति वर्ष प्रशिक्षित डाइटीशियन समाज में भोजन के माध्यम से पोषण देने का कार्य करती हैं। प्राचार्य ने बताया कि आज के सत्र में आहार विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सांकले ने मार्गदर्शन दिया जो सभी के लिये उपयोगी रहे। आमंत्रित डाइटीशियन डॉ. श्वेता सांकले महाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका हैं। वर्तमान में वे रेलवे हॉस्पिटल बिलासपुर(छत्तीसगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों के पोषण के सम्बन्ध में कहा कि इस गर्मी के मौसम में गरम चीजें अधिक लेने की आवश्यकता नहीं है। सामान्य तापमान का पानी लें। बहुत अधिक काढ़ा लेने से एसिडिटी की समस्या हो सकती है। रोजाना जो भोजन ले रहे हैं वही लें, केवल प्रोटीन की मात्रा में वृद्धि कर लें। उन्होंने उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये अनेक भ्रांतियों को दूर किया जो सोशल मीडिया से उत्पन्न हो जाती हैं। तरल पदार्थों के सेवन पर उन्होंने विशेष बल दिया। मधुमेह, कैंसर, हृदय रोग आदि बीमारियों से ग्रसित लोगों को यदि कोरोना हुआ है।

आहार ऐसा जो हमारे लिये उपयुक्त हो: डॉ. श्रीमति कामिनी जैन

अतुल्य भास्कर, होशंगाबाद

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय, की संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि शासन की ओर से होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों की काउंसलिंग का कार्यभार महाविद्यालय को सौंपा गया है। उसके अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श दिया जाता है। सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्स्कीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धजन समय-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेज रहे हैं इस अभियान में गूगल मीट के द्वारा 10 मई 2021 सोमवार से 13 मई 2021 गुरुवार तक सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद किया जाता है और उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। पिछले सप्ताह मानसिक शांति हेतु अध्यात्म और योग के प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक रशारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवादर आयोजित किया जा रहा है। इन सत्रों में डाइटीशियन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिये पोषण और चिकित्स्कीय परामर्श प्रदान किया जायेगा।

प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व है। बीमारी के समय शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। यदि दवाओं के साथ पोषक तत्व भोजन में लिये जायें तो बीमारी से शीघ्र मुक्ति पाई जा सकती है। वर्तमान में कोरोना महामारी में दी जाने वाली दवाओं से शरीर पर प्रभाव हो रहा है, उससे बचने के लिये शारीरिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। इसमें भोजन सहायक सिद्ध होता है। महाविद्यालय में इस हेतु सी. एस. डी. विभाग के माध्यम से प्रति वर्ष प्रशिक्षित डाइटीशियन समाज में भोजन के माध्यम से पोषण देने का कार्य करती हैं। 17 मई 2021के सत्र में प्राचार्य ने आहार सम्बंधित अनेक प्रश्न आहार विशषज्ञ डॉ. श्वेता सांकल्ले से पूछे जो सभी के लिये उपयोगी रहे।

इस सत्र में आमंत्रित डाइटीशियन डॉ. श्वेता सांकल्ले महाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका हैं। वर्तमान में वे रेलवे हॉस्पिटल बिलासपुर(छत्तीसगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों के पोषण के सम्बन्ध में कहा कि इस गर्मी के मौसम में गरम चीजें अधिक लेने की आवश्यकता नहीं है। सामान्य तापमान का पानी लें। बहुत अधिक काढ़ा लेने से एसिडिटी की समस्या हो सकती है। रोजाना जो भोजन ले रहे हैं वही लें, केवल प्रोटीन की मात्रा में वृद्धि कर लें।

उन्होंने उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये अनेक भ्रांतियों को दूर किया जो सोशल मीडिया से उत्पन्न हो जाती हैं।तरल पदार्थों के सेवन पर उन्होंने विशेष बल दिया। मधुमेह, कैंसर, हृदय रोग आदि बीमारियों से ग्रसित लोगों को यदि कोरोना हुआ है। उनके लिये उपयुक्त आहार के विषय से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर भी ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से दिये। दिन में एक बार गरम पानी में तुलसी डालकर, छाछ, नारियल पानी आदि पीने की सलाह दी गई।

महाविद्यालयीन स्टाफ के रूप में मे डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ.कंचन ठाकुर, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. वैशाली लाल, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, डॉ. मनीष चौधरी , डॉ. आशीष सोहगौरा , अजय तिवारी, डॉ. नीतू पवार, डॉ. पूजा धापक तथा कंप्यूटर विभाग और आई. टी. सेल के सदस्य श्रीमती आभा वाधवा, शैलेन्द्र तिवारी, देवेंद्र सैनी, डॉ. रीना मालवीय, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

-प्रेमेश जैन, तहसीलदार सिवनी मालवा। प्रशासन द्वारा बैंक की व्यवस्था को सुधारना चाहिए।

आहार ऐसा जो हमारे लिए उपयुक्त हो : डॉ. जैन

• ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग से दे रहे परामर्श

अनोखा तीर, होशंगाबाद। स्थानीय शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय की संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. श्रीमति कामिनी जैन ने कहा कि शासन की ओर से होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों की काउंसलिंग का कार्यभार महाविद्यालय को सौंपा गया है। इसके अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श दिया जाता है। सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे है। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धजन समय-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेज रहे हैं। इस अभियान में गूगल मीट के द्वारा 10 मई से 13 मई तक सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद गया और उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया। पिछले सप्ताह मानसिक शांति हेतु अध्यात्म और योग के प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई तक शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद आयोजित किया जा रहा है। इन सत्रों में डाइटीशियन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिए पोषण और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जाएगा।

प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व है। बीमारी के समय शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। यदि दवाओं के साथ पोषक तत्व भोजन में लिए जाए तो बीमारी से शीघ्र मुक्ति पाई जा सकती है। वर्तमान में कोरोना महामारी में दी जाने वाली दवाओं से शरीर पर प्रभाव हो रहा है, उससे बचने के लिए शारीरिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। इसमें भोजन सहायक सिद्ध होता है। महाविद्यालय में इस हेतु सीएसडी विभाग के माध्यम से प्रतिवर्ष प्रशिक्षित डाइटीशियन समाज में भोजन के माध्यम से पोषण देने का कार्य करती है। आज के सत्र में प्राचार्य ने आज की आहार संबंधित अनेक प्रश्न आज की आहार विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सांकले से पूछे जो सभी के लिए उपयोगी रहे। आज के सत्र में आमंत्रित डाइटीशियन डॉ. सांकले महाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका है। वर्तमान में वे रेलवे हॉस्पिटल बिलासपुर छत्तीसगढ़ में नियुक्त हैं। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों के पोषण के संबंध में कहा कि इस गर्मी के मौसम में गरम चीजें अधिक लेने की आवश्यकता नहीं है। सामान्य तापमान का पानी ले। बहुत अधिक काढ़ा लेने से एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

आहार ऐसा हो जो हमारे लिए उपयुक्त हो

"शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद" सत्र आयोजित

होशंगाबाद। कोरोना संक्रमण की चुनौती के बीच आमजन को तनाव, परेशानी में मदद करने के साथ उनकी उचित काउंसलिंग किए जाने तथा होम आइसोलेटेड मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने की अनूठी पहल जिले में प्रारंभ की गई। कलेक्टर धनंजय सिंह के दिशा निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत वृद्धजन, दिव्यांग एवं जरूरतमंदों को घर बैठे हर जरूरी सहायता पहुंचाए जाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इन्हीं गतिविधियों में से एक उत्साह वर्धन, योग, प्राणायाम, ध्यान आदि की जानकारी तथा अकेलापन, तनाव, चिंता से उबारने के लिए संबंधित की काउंसलिंग की जिम्मेदारी प्राचार्य होम साइंस कॉलेज डॉ कामिनी जैन को दी गई है। प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि होम आइसोलेट लोगों की काउंसलिंग का कार्य महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श दिया जा रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धजन द्वारा समय-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेजे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में गूगल मीट के माध्यम से सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद और उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। पिछले सप्ताह मानसिक शांति हेतु अध्यात्म और योग के प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद आयोजित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम
"पुस्तक भवन", अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : 0755-2550727, 2551294, 2551565, फैक्स : 2551145,
ई-मेल : pim.mptbc@gmail.com, वेबसाइट : mptbc.mp.gov.in
क्रमांक/8089/पापुनि/मुद्रण/2021 भोपाल, दिनांक : 17.05.2021

शिक्षा सत्र 2021-2022 के लिए पुस्तकों (कवर सहित) के मुद्रण हेतु ई-निविदाओं के आमंत्रण की सूचना

(निविदा क्रमांक-PTG-6/2021-2022)

शिक्षा सत्र 2021-2022 के लिये दक्षता उन्नयन, नवीन व्यावसायिक, ब्रिज कोर्स एवं एन.सी.ई.आर.टी. के शीर्षकों की लगभग 1.08 करोड़ पुस्तकों के कवर सहित मुद्रण हेतु ऑफसेट मुद्रणालयों से वेब ऑफसेट मशीनों पर मुद्रण हेतु ई-निविदा आमंत्रित है।

ई-टेण्डरिंग पोर्टल https://mptenders.gov.in पर दिनांक 18.05.2021 को 17.00 बजे से निविदा दस्तावेज डाउनलोड किये जा सकते हैं एवं दिनांक 02.06.2021 को 10.30 बजे तक ऑनलाइन तकनीकी एवं कमर्शियल बिड भरकर प्रस्तुत की जा सकती है। निविदा के संबंध में जानकारी हेतु मोबाइल क्रमांक 9061907963, 9111811007 एवं हेल्प डेस्क दूरभाष क्र. 0120-4001002, 0120-6277787 पर संपर्क किया जा सकता है।

उक्त सभी विवरण एवं संशोधन/परिवर्तन/शुद्धिपत्र (यदि कोई होवें तो) पोर्टल https://mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित होकर उपलब्ध होंगे।

म.प्र. माध्यम/100741/2021 प्रबंध संचालक

गाबाद-सीहोर प्रदेश टाइम्स

कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिये दिया जा रहा पोषण और चिकित्सकीय परामर्श : डॉ. कामिनी जैन

होशंगाबाद (प्रदेश टाईम्स)। कोरोना संक्रमण की चुनौती के बीच आमजन को तनाव, परेशानी में मदद करने के साथ उनकी उचित काउंसलिंग किए जाने तथा होम आइसोलेटेड मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने की अनूठी पहल होशंगाबाद जिले में प्रारंभ की गई। कलेक्टर धनंजय सिंह के दिशा निर्देशन चलाए जा रहे इस अभियान के तहत वृद्धजन, दिव्यांग एवं जरूरतमंदों को घर बैठे हर जरूरी सहायता पहुंचाए जाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इन्हीं गतिविधियों में से एक उत्साह वर्धन, योग, प्राणायाम, ध्यान, आदि की जानकारी तथा अकेलापन, तनाव, चिंता से उबारने के लिए संबंधित की काउंसलिंग की जिम्मेदारी प्राचार्य होम साइंस कॉलेज डॉ कामिनी जैन को दी गई है। प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि होम आइसोलेट लोगों की काउंसलिंग का कार्य महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श दिया जा रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धजन द्वारा समय-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेजे रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान में गूगल मीट के माध्यम से सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद और उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। पिछले सप्ताह मानसिक शांति हेतु अध्यात्म और योग के प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद आयोजित किया जा रहा है। इन सत्रों में डाइटीशियन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिये पोषण और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जायेगा। प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व है। बीमारी के समय शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। यदि दवाओं के साथ आवश्यक पोषक तत्व भोजन में लिये जायें तो बीमारी से शीघ्र मुक्ति पाई जा सकती है। महाविद्यालय में इस हेतु सी.एन.डी. विभाग के माध्यम से प्रति वर्ष प्रशिक्षित डाइटीशियन समाज में भोजन के माध्यम से पोषण देने का कार्य करती है। आज के सत्र में आमंत्रित डाइटीशियन डॉ. श्वेता सांकळे महाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका हैं। वर्तमान में ये रेलवे हॉस्पिटल बिलासपुर(छत्तीसगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों के पोषण के सम्बन्ध में बताया कि इस गर्मी के मौसम में गरम चीजें अधिक लेने की आवश्यकता नही है। सामान्य तापमान का पानी लें। रोजाना जो भोजन ले रहे है वही लें, केवल प्रोटीन की मात्रा में वृद्धि कर लें। उन्होंने उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये अनेक भ्रांतियों को दूर किया जो भ्रामक सूचनाओं से उत्पन्न हो जाती हैं। तरल पदार्थों के सेवन पर उन्होंने विशेष बल दिया। मधुमेह, कैंसर, ह्रदय रोग आदि बीमारियों से ग्रसित लोगों को यदि कोरोना हुआ है, उनके लिये उपयुक्त आहार के विषय से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर भी ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से दिये। दिन में एक बार गरम पानी में तुलसी डालकर तथा छाछ, नारियल पानी आदि पीने की सलाह दी गई। महाविद्यालयीन स्टाफ के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरूण सिकरवार, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ.कंचन ठाकुर, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. वैशाली लाल, किरण विश्वकर्मा, डॉ. मनीष चौधरी , डॉ. आशीष सोहगौरा, अजय तिवारी, डॉ. नीतू पवार, डॉ. पूजा धापक तथा कंप्यूटर विभाग और आई. टी. सेल के सदस्य आभा वाधवा, शैलेन्द्र तिवारी, देवेंद्र सैनी, डॉ. रीना मालवीय, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

होम आइसोलेशन में रहने वालों काउंसलिंग कर रहा शा ग्रह विज्ञान महाविद्यालय

होशंगाबाद--आहार ऐसा जो हमारे लिये उपयुक्त हो

होशंगाबाद। शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय, होशंगाबाद की संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि शासन की ओर से होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों की काउंसलिंग का कार्यभार महाविद्यालय को सौंपा गया है। उसके अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श दिया जाता है। सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों को चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धजन समय-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेज रहे हैं। इस अभियान में गूगल मीट के द्वारा 10 मई 2021 सोमवार से 13 मई 2021 गुरुवार तक सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद किया जाता है और उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। पिछले सप्ताह मानसिक शांति हेतु अध्यात्म और योग के प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक "शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद" आयोजित किया जा रहा है। इन सत्रों में डाइटीशियन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिये पोषण और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जायेगा। प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व है। बीमारी के समय शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। यदि दवाओं के साथ पोषक तत्व भोजन में लिये जायें तो बीमारी से शीघ्र मुक्ति पाई जा सकती है। वर्तमान में कोरोना महामारी में दी जाने वाली दवाओं से शरीर पर प्रभाव हो रहा है, उससे बचने के लिये शारीरिक रूप से मजबूत होना जरुरी है। इसमें भोजन सहायक सिद्ध होता है।

महाविद्यालय में इस हेतु सी. एन. डी. विभाग के माध्यम से प्रति वर्ष प्रशिक्षित डाइटीशियन समाज में भोजन के माध्यम से पोषण देने का कार्य करती हैं। आज के सत्र में प्राचार्य ने आज की आहार सम्बंधित अनेक प्रश्न आज की आहार विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सांकले से पूछे जो सभी के लिये उपयोगी रहे। आज के सत्र में आमंत्रित डाइटीशियन डॉ. श्वेता सांकले महाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका हैं। वर्तमान में वे रेलवे हॉस्पिटल बिलासपुर(छत्तीसगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों के पोषण के सम्बन्ध में कहा कि इस गर्मी के मौसम में गरम चीजें अधिक लेने की आवश्यकता नहीं है। सामान्य तापमान का पानी लें। बहुत अधिक काढ़ा लेने से एसिडिटी की समस्या हो सकती है। रोजाना जो भोजन ले रहे हैं वही लें, केवल प्रोटीन की मात्रा में वृद्धि कर लें। उन्होंने उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये अनेक भ्रांतियों को दूर किया जो सोशल मीडिया से उत्पन्न हो जाती हैं।तरल पदार्थों के सेवन पर उन्होंने विशेष बल दिया। मधुमेह, कैंसर, हृदय रोग आदि बीमारियों से ग्रसित लोगों को यदि कोरोना हुआ है। उनके लिये उपयुक्त आहार के विषय से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर भी ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से दिये। दिन में एक बार गरम पानी में तुलसी डालकर, छाछ, नारियल पानी आदि पीने की सलाह दी गई। महाविद्यालयीन स्टाफ के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ.कंचन ठाकुर, डॉ. हर्षा चन्दाने, डॉ. वैशाली लाल, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, डॉ. मनीष चौधरी , डॉ. आशीष सोहगौरा , श्री अजय तिवारी, डॉ. नीतू पवार, डॉ. पूजा थापक तथा कंप्यूटर विभाग और आई. टी. सेल के सदस्य श्रीमती आभा थापक, श्री शैलेन्द्र तिवारी, श्री देवेंद सैनी, डॉ. रीना मालवीय, श्री जलज श्रीवास्तव, श्री बलराम यादव, श्री मनोज सिसोदिया एवं श्री राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

प्रदेश होशंगाबाद yugpradesh.com हो

सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे

आहार ऐसा जो हमारे लिये उपयुक्त हो

युग प्रदेश, नर्मदापुरम।

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय, होशंगाबाद की संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि शासन की ओर से होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों की काउंसलिंग का कार्यभार महाविद्यालय को सौंपा गया है। उसके अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श दिया जाता है। सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धजन समय-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेज रहे हैं।

इस अभियान में गूगल मीट के द्वारा 10 मई 2021 सोमवार से 13 मई 2021 गुरुवार तक सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद किया जाता है और उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। पिछले सप्ताह मानसिक शांति हेतु अध्यात्म और योग के प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक "शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद" आयोजित किया जा रहा है। इन सत्रों में डाइटीशियन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिये पोषण और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जायेगा।

प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व है। बीमारी के समय शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। यदि दवाओं के साथ पोषक तत्व भोजन में लिये जायें तो बीमारी से शीघ्र

मुक्ति पाई जा सकती है। वर्तमान में कोरोना महामारी में दी जाने वाली दवाओं से शरीर पर प्रभाव हो रहा है, उससे बचने के लिये शारीरिक रूप से मजबूत होना जरुरी है। इसमें भोजन सहायक सिद्ध होता है। महाविद्यालय में इस हेतु सी. एन. डी. विभाग के माध्यम से प्रति वर्ष प्रशिक्षित डाइटीशियन समाज में भोजन के माध्यम से पोषण देने का कार्य करती हैं। आज के सत्र में प्राचार्य ने आज की आहार सम्बंधित अनेक प्रश्न आज की आहार विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सांकले से पूछे जो सभी के लिये उपयोगी रहे। आज के सत्र में आमंत्रित डाइटीशियन डॉ. श्वेता सांकले महाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका हैं। वर्तमान में वे रेलवे हॉस्पिटल बिलासपुर(छत्तीसगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों के पोषण के सम्बन्ध में कहा कि इस गर्मी के मौसम में गरम चीजें अधिक लेने की आवश्यकता नहीं है। सामान्य तापमान का पानी लें। बहुत अधिक काढ़ा लेने से एसिडिटी की समस्या हो सकती है। रोजाना जो भोजन ले रहे हैं वही लें, केवल प्रोटीन की मात्रा में वृद्धि कर लें।

उन्होंने उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये अनेक भ्रांतियों को दूर किया जो सोशल मीडिया से उत्पन्न हो जाती हैं।तरल पदार्थों के सेवन पर उन्होंने विशेष बल दिया। मधुमेह, कैंसर, हृदय रोग आदि बीमारियों से ग्रसित लोगों को यदि कोरोना हुआ है। उनके लिये उपयुक्त आहार के विषय से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर भी ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से दिये। दिन में एक बार गरम पानी में तुलसी डालकर, छाछ, नारियल पानी आदि पीने की सलाह दी गई। महाविद्यालयीन स्टाफ के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ.कंचन ठाकुर, डॉ. हर्षा चन्दाने, डॉ. वैशाली लाल, किरण विश्वकर्मा, डॉ. मनीष चौधरी , डॉ. आशीष सोहगौरा , श्री अजय तिवारी, डॉ. नीतू पवार, डॉ. पूजा थापक तथा कंप्यूटर विभाग और आई. टी. सेल के सदस्य श्रीमती आभा थापक, श्री शैलेन्द्र तिवारी, देवेंद सैनी, डॉ. रीना मालवीय, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

कोविड सेंटर में फल का वितरण किया

होशंगाबाद. जय श्री महाकाल सेवा बाबई द्वारा गुरुवार को कोविड सेंटर बाबई मे कोविड-19 मरीजों को फल वितरण किया। समिति के सदस्य रजत बघेल, दादा भाई लक्ष्मन सिंह राजपूत, आकाश खंडेलवाल, सोनू सराठे, करण दौहरे ने फल वितरण किया। कोरोना महामारी के प्रकोप में महाकाल सेवा समिति सदैव कोरोना योद्धाओं एवं कोरोना मरीज सहित अन्य गरीबों की मदद के लिए महाकाल सेवा समिति सदैव तत्पर रहकर प्रयास करेगी।

होम आइसोलेशन वाले श्रम के साथ पोषण पर भी ध्यान दें

ऑनलाइन परामर्श से समझाया वीइडी का महत्व, आहार संबंधी भ्रांतियां दूर की

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

होशंगाबाद. अस्पतालों, कोविड सेंटरों में इलाज के साथ जो लोग होम आइसोलेशन में हैं उनके लिए ऑनलाइन तरीके से आवश्यक सलाह व मोटिवेशन किया जा रहा है। गुरुवार को गूगल मीट व वाट्सएप ग्रुप के जरिए वैक्सीनेशन, एजुकेशन और डोनेशन यानी वीईडी का महत्व समझाते हुए सवालों के जरिए आहार संबंधी भ्रांतियों को भी दूर किया गया। बता दें शासन व्दारा इस तरह की काउंसिलिंग के लिए होशंगाबाद में गर्ल्स कॉलेज को जिम्मेदारी दी है। मई में चौथे और अंतिम सत्र में 43 सदस्य जुड़े। कोरोना में बाधक बन रही चिकित्सा एवं आहार संबंधी कई भ्रांतियों को विशेषज्ञों व डायटीशियन के जरिए दूर किया गया, ताकि होम आइसोलेटेड मरीज कोरोना संक्रमण से निजात पाकर पहले की तरह जल्द स्वस्थ हो सके। अगले सप्ताह कोविड के दौरान अवसाद, मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का निदान मनोवैज्ञानिकों की मदद से दूर किया जाएगा। कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि सत्र में वीइडी यानी वी फॉर वैक्सीनेशन, ई फॉर एजुकेशन और डी फॉर डोनेशन के बारे सकारात्मक संवाद के जरिए रोचक जानकारी दी गई। चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव ने लोगों की कोरोना से संबंधित चिकित्सा एवं आहार संबंधी भ्रांतियां का निराकरण किया।

सत्ता सुधार | होशंगाबाद

वेद:वी ई डी - वैक्सीनेट एजुकेट डोनेट एक मूलमंत्र : डॉ. कुलदीप दुबे

होशंगाबाद (सत्ता सुधार)। कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग हेतु शासन द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय को जो कार्यभार दिया गया है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गगूल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद के अंतर्गत 20 मई गुरुवार को चौथा और अंतिम सत्र का आयोजन किया गया। गुरुवार को मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन सुश्री शुचिता श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हुए।

डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज होम आइसोलेशन व्हाट्सएप्प समूह में आज पुनः 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी अनेक भ्रांतियाँ हैं जो कोरोना में बाधक बन रही हैं। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डाइटीशियन के परामर्श की महती आवश्यकता है ताकि कोरोना से जल्दी जीता जा सके। आजकल लोगों की जीवनशैली से शारीरिक श्रम बिलुप्त हो चुका है जो बीमारियों का कारण बन रहा है। श्रम के साथ पोषण भी शरीर को मजबूत बनाता है और बीमारी से लड़ने में सहायता करता है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार समूह में चिकित्सा से सम्बंधित प्रश्न प्राप्त होते हैं जिनके चिकित्सकीय परामर्श हेतु कलेक्टर महोदय से चिकित्सक की सहायता माँगी है। अगले सप्ताह कोविड के दौरान लोग अनेक मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रसित हो रहे हैं, जिसके लिये मनोवैज्ञानिकों को इस ऑनलाइन सत्र में आमंत्रित किया जायेगा। आज के सत्र में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. कुलदीप दुबे जो कोविड सेंटर मालाखेड़ी में अपनी सेवायें दे रहे हैं ने कोरोना के लक्षण, सावधानी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रुचिकर तरीके से कोरोना के लिये वेद न्यी ई डी के पूर्ण रूप को विस्तारित करके समझाया कि वी फॉर वैक्सीनेशन, ई फॉर एजुकेशन और डी फॉर डोनेशन। कोरोना महामारी के समय आप स्वयं भी और सभी लोगों को उपरोक्त इन तीन बातों के लिये जागरुक कीजिये। गूगल मीट में उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सा और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये।

गुरुवार के सत्र में डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव, इंदौर से हमारे बीच जुड़ी। उन्होंने कोविड ग्रसित लोगों को पोषक आहार लेने की सलाह दी। साथ ही कौनसी फल की उपयोगिता और उसके मूल्य के विषय में भी चर्चा की। आहार सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर भी उन्होंने दिये सो सभी के लिये उपयोगी सिद्ध रहे। महाविद्यालयीन स्टाफ सदस्यों के रूप में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ए. एस. खान, डॉ. हर्षा चव्हाने, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ.कंचन ठाकुर, डॉ. दीपक अहिरवार, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. मनीष चौधरी , डॉ. आशीष सोहगौरा, डॉ. संगीता पारे, डॉ. विजया देवास्कर, अजय तिवारी, डॉ. नीतू पवार, श्रीमती नीता सोलंकी तथा कंप्यूटर विभाग और आई. टी. सेल के सदस्य श्रीमती आभा वाघवा, शैलेन्द्र तिवारी, देवेंद्र सैनी, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में मौजूद रहे।

वेद : वीईडी - वैक्सीनेट एजुकेट डोनेट एक मूलमंत्र

मुख प्रदेश, नर्मदापुरम।

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग हेतु शासन द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय को जो कार्यभार दिया गया है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गूगल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद के अंतर्गत आज दिनाँक 20 मई 2021 को

चौथा और अंतिम सत्र का आयोजन किया जा रहा है। आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन सुश्री शुचिता श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हैं। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज होम आइसोलेशन व्हाट्सएप्प समूह में आज पुनः 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी अनेक भ्रांतियाँ हैं जो कोरोना में बाधक बन रही हैं। ऐसे में चिकित्कीय एवं डाइटीशियन के परामर्श की महती आवश्यकता है ताकि कोरोना से जल्दी जीता जा सके। आजकल लोगों की जीवनशैली से शारीरिक श्रम विलुप्त हो चुका है जो बीमारियों का कारण बन रहा है। श्रम के साथ पोषण भी शरीर को मजबूत बनाता है और बीमारी से लड़ने में सहायता करता है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार समूह में चिकित्सा से सम्बंधित प्रश्न प्राप्त होते हैं जिनके चिकित्कीय परामर्श हेतु कलेक्टर महोदय से चिकित्सक की सहायता माँगी है। अगले सप्ताह कोविड के दौरान लोग अनेक मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रसित हो रहे हैं, जिसके लिये मनोवैज्ञानिकों को इस ऑनलाइन सत्र में आमंत्रित किया जायेगा। आज के सत्र में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. कुलदीप दुबे जो कोविड सेंटर मालाखेड़ी होशंगाबाद में अपनी सेवायें दे रहे हैं ने कोरोना के लक्षण, सावधानी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रुचिकर तरीके से कोरोना के लिये वेद -वी ई डी के पूर्ण रूप को विस्तारित करके समझाया कि वी फॉर वैक्सीनेशन, ई फॉर एजुकेशन और डी फॉर डोनेशन। कोरोना महामारी के समय आप स्वयं भी और सभी लोगों को उपरोक्त इन तीन बातों के लिये जागरूक कीजिये। गूगल मीट में उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सा और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये। आज के सत्र में डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव, इंदौर से हमारे बीच जुड़ी। उन्होंने कोविड ग्रसित लोगों को पोषक आहार लेने की सलाह दी। साथ ही कीवी फल की उपयोगिता और उसके मूल्य के विषय में भी चर्चा की। आहार सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर भी उन्होंने दिये सो सभी के लिये उपयोगी सिद्ध रहे। महाविद्यालयीन स्टाफ सदस्यों के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ए. एस. खाने, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ.कंचन ठाकुर, डॉ. दीपक अहिरवार, द्य किरण विश्वकर्मा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. मनीष चौधरी , डॉ. आशीष सोहगौरा, डॉ. संगीता पारे, डॉ. विजया देवास्कर, आई. टी. सेल के सदस्य आभा वाधवा, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

होम आइसोलेशन वाले श्रम के साथ पोषण पर भी ध्यान दें

ऑनलाइन परामर्श से समझाया वीइडी का महत्व, आहार संबंधी भ्रांतियां दूर की

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

होशंगाबाद. अस्पतालों, कोविड सेंटरों में इलाज के साथ जो लोग होम आइसोलेशन में हैं।उनके लिए ऑनलाइन तरीके से आवश्यक सलाह व मोटिवेशन किया जा रहा है। गुरुवार को गूगल मीट व वाट्सएप ग्रुप के ज़रिए वैक्सीनेशन, एजुकेशन और डोनेशन यानी वीईडी का महत्व समझाते हुए सवालों के जरिए आहार संबंधी भ्रांतियों को भी दूर किया गया। बता दें शासन व्दारा इस तरह की काउसिंलिंग के लिए होशंगाबाद में गर्ल्स कॉलेज को जिम्मेदारी दी है। मई में चौथे और अंतिम सत्र में 43 सदस्य जुड़े। कोरोना में बाधक बन रही चिकित्सा एवं आहार संबंधी कई भ्रांतियों को विशेषज्ञों व डायटीशियन के जरिए दूर किया गया, ताकि होम आइसोलेटेड मरीज कोरोना संक्रमण से निजात पाकर पहले की तरह जल्द स्वस्थ हो सकें। अगले सप्ताह कोविड के दौरान अवसाद, मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का निदान मनोवैज्ञानिकों की मदद से दूर किया जाएगा। कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि सत्र में वीइडी यानी वी फॉर वैक्सीनेशन, ई फॉर एजुकेशन और डी फॉर डोनेशन के बारे सकारात्मक संवाद के जरिए रोचक जानकारी दी गई। चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव ने लोगों की कोरोना से संबंधित चिकित्सा एवं आहार संबंधी भ्रांतियां का निराकरण किया।

वेद : वी ई डी - वैक्सीनेट एजुकेट डोनेट एक मूलमंत्र

खबरों में हमारा शहर संवाददाता, होशंगाबाद

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग हेतु शासन द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय को जो कार्यभार दिया गया है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गूगल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद के अंतर्गत आज दिनाँक 20 मई 2021 को चौथा और अंतिम सत्र

का आयोजन किया जा रहा है। आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन सुश्री शुचिता श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हैं। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज होम आइसोलेशन व्हाट्सएप्प समूह में आज पुनः 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी अनेक भ्रांतियाँ है जो कोरोना में बाधक बन रही हैं। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डाइटीशियन के परामर्श की महती आवश्यकता है ताकि कोरोना से जल्दी जीता जा सके। आजकल लोगों की जीवनशैली से शारीरिक श्रम विलुप्त हो चुका है जो बीमारियों का कारण बन रहा है। श्रम के साथ पोषण भी शरीर को मजबूत बनाता है और बीमारी से लड़ने में सहायता करता है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार समूह में चिकित्सा से सम्बंधित प्रश्न प्राप्त होते हैं जिनके चिकित्सकीय परामर्श हेतु कलेक्टर महोदय से चिकित्सक की सहायता माँगी है। अगले सप्ताह कोविड के दौरान लोग अनेक मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रसित हो रहे हैं, जिसके लिये मनोवैज्ञानिकों को इस ऑनलाइन सत्र में आमंत्रित किया जायेगा।

कोरोना महामारी को लेकर छात्र-छात्राओं में लाई जा रही जागरूकता

महाविद्यालयों में जारी है जागरूकता कांफ्रेंस

होम सांइस कॉलेज में कोविड पर ऑनलाइन संवाद का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ होशंगाबाद

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग हेतु शासन द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय को जो कार्यभार दिया गया है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गूगल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद के अंतर्गत गुरुवार को चौथा और अंतिम सत्र का आयोजन किया जा

रहा है। मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हैं। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि होम आइसोलेशन व्हाट्सएप्प समूह में आज पुनः 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी अनेक भ्रांतियाँ हैं जो कोरोना में बाधक बन रही हैं। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डाइटीशियन के परामर्श की महती आवश्यकता है ताकि कोरोना से जल्दी जीता जा सके। आजकल लोगों की जीवनशैली से शारीरिक श्रम विलुप्त हो चुका है जो बीमारियों का कारण बन रहा है।

प्रदेश | होशंगाबाद | yugpradesh.com | होशंगाबाद, शुक्रवार 21 मई 2021 | 08

वेद : वी ई डी - वैक्सीनेट एजुकेट डोनेट एक मूलमंत्र

युग प्रदेश, नर्मदापुरम।

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग हेतु शासन द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय को जो कार्यभार दिया गया है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गूगल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद के अंतर्गत आज दिनाँक 20 मई 2021 को

चौथा और अंतिम सत्र का आयोजन किया जा रहा है। आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन सुश्री शुचिता श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हैं। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज होम आइसोलेशन व्हाट्सएप्प समूह में आज पुनः 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी अनेक भ्रांतियाँ हैं जो कोरोना में बाधक बन रही है। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डाइटीशियन के परामर्श की महती आवश्यकता है ताकि कोरोना से जल्दी जीता जा सके। आजकल लोगों की जीवनशैली से शारीरिक श्रम विलुप्त हो चुका है जो बीमारियों का कारण बन रहा है। श्रम के साथ पोषण भी शरीर को मजबूत बनाता है और बीमारी से लड़ने में सहायता करता है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार समूह में चिकित्सा से सम्बंधित प्रश्न प्राप्त होते हैं जिनके चिकित्सकीय परामर्श हेतु कलेक्टर महोदय से चिकित्सक की सहायता माँगी है। अगले सप्ताह कोविड के दौरान लोग अनेक मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रसित हो रहे हैं, जिसके लिये मनोवैज्ञानिकों को इस ऑनलाइन सत्र में आमंत्रित किया जायेगा। आज के सत्र में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. कुलदीप दुबे जो कोविड सेंटर मालाखेड़ी होशंगाबाद में अपनी सेवायें दे रहे हैं ने कोरोना के लक्षण, सावधानी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रोचक तरीके से कोरोना के लिये वेद व्ही ई डी के पूर्ण रूप को विस्तारित करके समझाया कि वी फॉर वैक्सीनेशन, ई फॉर एजुकेशन और डी फॉर डोनेशन। कोरोना महामारी के समय आप स्वयं भी और सभी लोगों को उपरोक्त इन तीन बातों के लिये जागरूक कीजिये। गूगल मीट में शामिल सदस्यों ने चिकित्सा और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये। आज के सत्र में डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव, इंदौर से हमारे बीच जुड़ीं। उन्होंने कोविड ग्रसित लोगों को पोषक आहार लेने की सलाह दी। साथ ही मौसमी फल की उपयोगिता और उसके मूल्य के विषय में भी चर्चा की। आहार सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर भी उन्होंने दिये जो सभी के लिये उपयोगी सिद्ध रहे। महाविद्यालयीन स्टाफ सदस्यों के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ए. एस. खान, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. दीपक अहिरवार, डॉ. किरण विश्वकर्मा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. मनीष चौधरी, डॉ. आशीष सोहगौरा, डॉ. संगीता पारे, डॉ. विजय देवासकर, आई. टी. सेल के सदस्य आभा वाधवा, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

अनंत कीर्ति होशंगाबाद, 02 से 08 जून 2021 6

कोरोना से जीतने में होमियोपैथी की भूमिका: प्राचार्य डॉ कामिनी जैन

अनंत कीर्ति होशंगाबाद।

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद द्वारा सोमवार को आयोजित होम आइसोलेशन में रह रहे उन लोगों के लिये यह ऑनलाइन सत्र है, जिन्हें चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता है। अपने चारों ओर जो चिकित्सा पद्धतियों के प्रति असमंजस का वातावरण प्रत्येक व्यक्ति महसूस कर रहा है। तब यह जरूरी हो जाता है कि दवाओं से संबंधित भ्रम दूर किये जायें और लोग विश्वास के साथ दवा लेकर जल्द ही इस कोरोना नामक महामारी से जीतकर सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हों।

आज के इस ऑनलाइन सत्र में शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने कहा की यह अत्यंत हर्ष का विषय है आज हमारे बीच 100 से भी अधिक लोग मीटिंग में हैं। यह चौथा साप्ताहिक सत्र है, इस सप्ताह चिकित्सा पद्धतियों से सम्बंधित सकारात्मक संवाद किये जायेंगे। जिससे चिकित्सा पद्धति का विश्वास के साथ पालन कर कोरोना से जीत सकें। आज हमारे बीच मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में भोपाल से होमियोपैथी चिकित्सक डॉ. दीपेश यादव जी को परामर्श हेतु आज की मीट में आमंत्रित किया है। वर्तमान समय में चिकित्सक सबसे व्यस्ततम जीवन जी रहा है, इसके बाद भी उन्होंने अपना अमूल्य समय दिया। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय परिवार उनका हृदय से आभारी है। आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में जुड़े हुये डॉ. दीपेश यादव ने कहा कि कोरोना की टेस्ट रिपोर्ट आने तक इलाज प्रारंभ कर देना चाहिये। इस समय सर्दी, खांसी, बुखार आदि को सामान्य न मानते हुये गंभीरता से लें। यदि ऑक्सीजन का स्तर लगातार कम हो रहा है तो तुरंत हॉस्पिटल में एडमिट करना चाहिये। ऐसे में होमियोपैथी दवायें स्थिति को संभालने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने वैक्सीनेशन को जरूरी बताते हुये कहा कि इससे होने वाले तात्कालिक प्रभाव जैसे बुखार आना, इम्युनिटी प्रभावित होना आदि के लिये यदि कुछ होमियोपैथी दवायें ले ली जायें तो इनसे बचा जा सकता है। मीटिंग में उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये बताया कि यदि कोरोना हो चुका है तब कम से कम 3 महीने बाद ही वैक्सीन लगवायें। यदि बीपी, मधुमेह, हृदय संबंधी बीमारी है तो पहले दवाओं से स्वयं सामान्य स्थिति में लायें, तब वैक्सीन लगवायें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि केवल इम्युनिटी बढ़ाकर ही इस बीमारी से जीता जा सकता है और वो आहार एवं व्यायाम द्वारा संभव है। इन सबके अतिरिक्त हमें सकारात्मक सोच रखनी होगी और इस जंग को जीतना होगा। इसके पश्चात् भी यदि कुछ अनहोनी जीवन में हो जाती है तो उसे ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार करें और स्वयं को डिप्रेशन से बचायें। होमियोपैथी में ऐसी अनेक कारगर दवायें हैं जिनसे इलाज संभव है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रागिनी सिकरवार ने महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मैडम ने समाज के लिये उपयोगी इस कार्यक्रम में हमें जोड़ा। उन्होंने आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. दीपेश यादव एवं ऑनलाइन मीट में उपस्थित सभी सदस्यों का महाविद्यालय परिवार की ओर से आभार प्रकट किया। महाविद्यालयीन परिवार के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक सदस्यों के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. किरण तिवारी, डॉ. भारती दुबे, डॉ. मीना शुक्ला, डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. एएस खान, डॉ. आरती शाह, डॉ. ज्योति जुनगरे, किरण विश्वकर्मा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. मनीष चौधरी, डॉ. आशीष सोहगौरा, डॉ. संगीता पारे, डॉ. रश्मि आर्य, डॉ. निशा रिछारिया, अजय तिवारी, डॉ. नीतू पवार, नीता सोलंकी, राजेश शर्मा तथा कंप्यूटर विभाग और आईटी सेल के सदस्य आभा वाधवा, शैलेन्द्र तिवारी, देवेंद्र सैनी, डॉ. रीना मालवीय, आलम श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

अनंत कीर्ति होशंगाबाद, 02 से 08 जून 2021 5

जिले में वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंदों को घर बैठे पहुंचाई जा रही सहायता

अनंत कीर्ति होशंगाबाद।

कोरोना संक्रमण की चुनौती के बीच आमजन की तनाव, परेशानी में मदद करने के साथ उनकी उचित काउंसलिंग किए जाने तथा होम आइसोलेटेड मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने की अनूठी पहल जिले में प्रारंभ की गई। जिले में वृद्धजन, दिव्यांग एवं जरूरतमंदों को घर बैठे हर जरूरी सहायता पहुंचाए जाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सार्थक प्रयास किया गया है।

कलेक्टर धनंजय सिंह के नेतृत्व में जिले के वृद्धजन दिव्यांग एवं जरूरतमंदों को त्वरित सहायता पहुंचाने के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है अभियान के तहत कोरोना संक्रमण काल में इन वर्गों को जरूरी सहायता के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएगी, जिसके लिए नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। अभियान के तहत पिछले एक माह में इन वर्गों में 1600 लोगों की काउंसलिंग, 348 को योग से निरोग कार्यक्रम से लाभान्वित, 174 को घर बैठे राशन सुविधा उपलब्ध कराई गई एवं 525 को नजदीकी कोविड केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है।

काउंसलिंग के लिए नोडल अधिकारी प्राचार्य होम साइंस कॉलेज होशंगाबाद डॉ कामिनी जैन ने बताया कि इन वर्गों के उत्साह वर्धन, योग, प्राणायाम, ध्यान आदि की जानकारी तथा अकेलापन, तनाव, चिंता से उबारने के लिए संबंधित को निरंतर विभिन्न विषयों पर काउंसलिंग सत्रों का आयोजन किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक मन की शांति, मानसिक संवर्धन, शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद आदि विषयों पर प्रति सप्ताह चार-चार दिन काउंसलिंग सत्रों का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से लगभग 1600 लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है। इसी तरह आवश्यक जीवन उपयोगी वस्तुओं की आपूर्ति एवं सेवाओं के लिए नोडल सहायक खाद्य आपूर्ति नियंत्रक अनिल तन्तुवाय ने बताया कि ऐक होम राशन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं को वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंदों को घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही है। अभी तक कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के आधार पर अभी तक 174 लोगों को घर पहुंच राशन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अभियान के तहत होम आइसोलेटेड मरीजों की वीडियो कालिंग के माध्यम से काउंसलिंग के नोडल जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर शैलेंद्र शुक्ला ने बताया जिनके द्वारा होम आइसोलेट मरीजों विशेषकर 45 से अधिक आयु के 152 को-मोरबिडी वाले मरीजों को वीडियो कालिंग के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श के आधार पर रेफरल एवं उपचार किट की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। आयुष चिकित्सा काउंसलिंग के लिए नोडल जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर शैलेंद्र आर्य ने बताया कि आयुष एवं शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योग से निरोग कार्यक्रम के अंतर्गत 348 वृद्ध एवं दिव्यांगजनों को योग से लाभान्वित किया गया। 1 हजार 518 होम आइसोलेट रोगियों को योग से लाभ एवं 3 हजार 109 होम आइसोलेशन रोगियों को आयुष औषधि डोर टू डोर पहुंचाया गया।

कोविड केयर सेंटरों में भर्ती एवं इस संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान के लिए नोडल जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ललित डेहरिया ने बताया कि 525 कोरोना पॉजिटिव मरीजों को निकटतम कोविड केयर सेंटर में भर्ती कराया गया एवं उन्हें आवश्यक जानकारी दी गई।

कोरोना से जीतने में होमियोपैथी की भूमिका

खबरों में हमारा शहर संवाददाता, होशंगाबाद

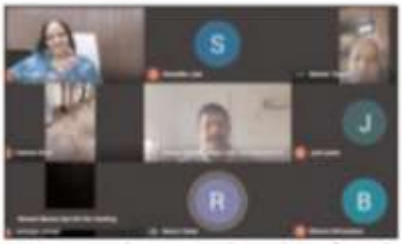

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद द्वारा सोमवार को आयोजित होम आइसोलेशन में रह रहे उन लोगों के लिये यह ऑनलाइन सत्र है, जिन्हें चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता है। अपने चारों ओर जो चिकित्सा पद्धतियों के प्रति असमंजस का वातावरण प्रत्येक व्यक्ति महसूस कर रहा है। तब यह जरूरी हो जाता है कि दवाओं से संबंधित भ्रम दूर किये जायें और लोग विश्वास के साथ दवा लेकर जल्द ही इस कोरोना नामक महामारी से जीतकर सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हों। आज के इस ऑनलाइन सत्र में शासकीय गृविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने कहा की यह अत्यंत हर्ष का विषय है आज हमारे बीच 100 से भी अधिक लोग मीटिंग में है। यह चौथा साप्ताहिक सत्र है, इस सप्ताह चिकित्सा पद्धतियों से सम्बंधित सकारात्मक संवाद किये जायेंगे। जिससे चिकित्सा पद्धति का विश्वास के साथ पालन कर कोरोना से जीत सकें। आज हमारे बीच मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में भोपाल से होमियोपैथी चिकित्सक डॉ. दीपेश यादव जी को परामर्श हेतु आज की मीट में आमंत्रित किया है। वर्तमान समय में

चिकित्सक सबसे व्यस्ततम जीवन जी रहा है, इसके बाद भी उन्होंने अपना अमूल्य समय दिया। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय परिवार उनका ह्रदय से आभारी है। आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में जॉइन हुये डॉ. दीपेश यादव ने कहा कि कोरोना की टेस्ट रिपोर्ट आने तक इलाज प्रारंभ कर देना चाहिये। इस समय सर्दी, खांसी, बुखार आदि को सामान्य न मानते हुये गंभीरता से लें। यदि ऑक्सीजन का स्तर लगातार काम हो रहा है तो तुरंत हॉस्पिटल में एडमिट करना चाहिये। ऐसे में होमियोपैथी दवायें स्थिति को संभालने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने वैक्सीनेशन को जरूरी बताते हुये कहा कि इससे होने वाले तात्कालिक प्रभाव जैसे बुखार आना, इम्युनिटी प्रभावित होना आदि के लिये यदि कुछ होमियोपैथी दवायें ले ली जायें तो इनसे बचा जा सकता है। मीटिंग में उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये बताया कि यदि कोरोना हो चुका है तब कम से कम 3 महीने बाद ही वैक्सीन लगवायें। यदि बी. पी., मधुमेह, ह्रदय संबंधी बीमारी है तो पहले दवाओं से स्वयं सामान्य स्थिति में लायें, तब वैक्सीन लगवायें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि केवल इम्युनिटी बढ़ाकर ही इस बीमारी से जीता जा सकता है और वो आहार एवं व्यायाम द्वारा संभव है। इस सबके अतिरिक्त हमें सकारात्मक सोच रखनी होगी और इस जंग को जीतना होगा। इसके पश्चात् भी यदि कुछ अनहोनी जीवन में हो जाती है तो उसे ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार करें और स्वयं को डिप्रेशन से बचायें। होमियोपैथी में ऐसी अनेक कारगर दवायें है जिनसे इलाज संभव है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रागिनी सिकरवार ने महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मैडम ने समाज के लिये उपयोगी इस कार्यक्रम में हमें जोड़ा। उन्होंने आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. दीपेश यादव एवं ऑनलाइन मीट में उपस्थित सभी सदस्यों का महाविद्यालय परिवार की ओर से आभार प्रकट किया।

ऑनलाइन परामर्श से बदल रही लोगों की जीवन शैली

रिपोर्ट आने तक उपचार शुरू कर देना चाहिए

प्रदेश टुडे संवाददाता, होशंगाबाद

गृहविज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित होम आइसोलेशन में रह रहे उन लोगों के लिए यह ऑनलाइन सत्र है, जिन्हें चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता है। अपने चारों ओर जो चिकित्सा पद्धतियों के प्रति असमंजस का वातावरण प्रत्येक व्यक्ति महसूस कर रहा है। तब यह जरूरी हो जाता है कि दवाओं से संबंधित भ्रम दूर किए जाएं और लोग विश्वास के साथ दवा लेकर जल्द ही इस कोरोना नामक महामारी से जीतकर सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हों। ऑनलाइन सत्र में शासकीय गृविज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा की यह अत्यंत हर्ष का विषय है आज हमारे बीच 100 से भी अधिक लोग मीटिंग में हैं। यह चौथा साप्ताहिक सत्र है, इस सप्ताह चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित सकारात्मक संवाद किए जाएंगे। जिससे चिकित्सा पद्धति का विश्वास के साथ पालन कर कोरोना से जीत सकें। मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. दीपेश यादव ने कहा कि कोरोना की टेस्ट रिपोर्ट आने तक इलाज प्रारंभ कर देना चाहिए। इस समय सर्दी, खांसी, बुखार आदि को सामान्य न मानते हुए गंभीरता से लें।

यदि ऑक्सीजन का स्तर लगातार काम हो रहा है तो तुरंत हॉस्पिटल में एडमिट करना चाहिए। ऐसे में होमियोपैथी दवाएं स्थिति को संभालने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होती हैं।

सत्ता सुधार

होशंगाबाद

कोरोना से जीतने में होमियोपैथी की भूमिका...

कोरोना की टेस्ट रिपोर्ट आने तक इलाज प्रारंभ कर देना चाहिये: डॉ. दीपेश यादव

होशंगाबाद (सत्ता सुधार)। सोमवार को शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय द्वारा आयोजित होम आइसोलेशन में रह रहे उन लोगों के लिये यह ऑनलाइन सत्र है, जिन्हें चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता है। अपने चारों ओर जो चिकित्सा पद्धतियों के प्रति असमंजस का खातावरण प्रत्येक व्यक्ति महसूस कर रहा है। तब यह जरुरी हो जाता है कि दवाओं से संबंधित भ्रम दूर किये जायें और लोग विश्वास के साथ दवा लेकर जल्द ही इस कोरोना नामक महामारी से जीतकर सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हों। सोमवार के ऑनलाइन सत्र में शासकीय गृविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा की यह अत्यंत हर्ष का विषय है आज हमारे बीच 100 से भी अधिक लोग मीटिंग में हैं। यह चौथा साप्ताहिक सत्र है, इस सप्ताह चिकित्सा पद्धतियों से सम्बंधित सकारात्मक संवाद किये जायेंगे। जिससे चिकित्सा पद्धति का विश्वास के साथ पालन कर कोरोना से जीत सकें। आज हमारे बीच मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में भोपाल से होमियोपैथी चिकित्सक डॉ. दीपेश यादव को परामर्श हेतु सोमवार की मीट में आमंत्रित किया। वर्तमान समय में चिकित्सक सबसे व्यस्ततम जीवन जी रहा है, इसके बाद भी उन्होंने अपना अमूल्य समय दिया। शासकीय

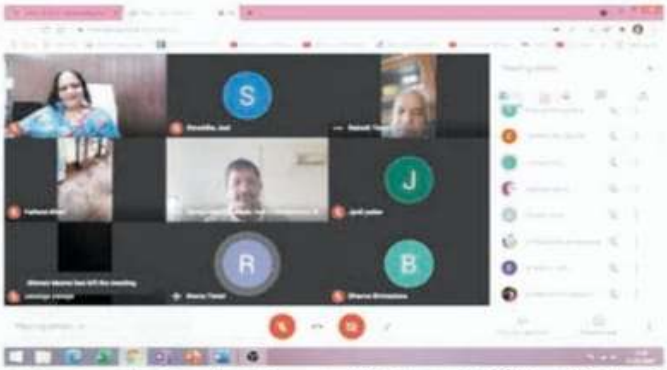

गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय परिवार उनका हृदय से आभारी है।

सोमवार को मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में जॉइन हुये , डॉ. दीपेश यादव ने कहा कि कोरोना की टेस्ट रिपोर्ट आने तक इलाज प्रारंभ कर देना चाहिये। इस समय सर्दी, खांसी, बुखार आदि को सामान्य न मानते हुये गंभीरता से लें। यदि ऑक्सीजन का स्तर लगातार कम हो रहा है , तो तुरंत हॉस्पिटल में एडमिट करना चाहिये। ऐसे में होमियोपैथी दवायें स्थिति को संभालने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने वैक्सीनेशन को जरुरी बताते हुये कहा कि इससे होने वाले तात्कालिक प्रभाव जैसे बुखार आना, इम्युनिटी प्रभावित होना आदि के लिये यदि कुछ होमियोपैथी दवायें ले ली जायें तो इनसे बचा जा सकता है। मीटिंग में उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये बताया कि यदि कोरोना हो चुका है तब कम से कम 3 महीने बाद ही वैक्सीन लगवायें। यदि बी. पी., मधुमेह, हृदय संबंधी बीमारी है तो पहले दवाओं से स्वयं सामान्य स्थिति में लायें, तब वैक्सीन लगवायें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि केवल इम्युनिटी बढ़ाकर ही इस बीमारी से जीता जा सकता है और वो आहार एवं व्यायम द्वारा संभव है। इस सबके अतिरिक्त हमें सकारात्मक सोच रखनी होगी और इस जंग को जीतना होगा। इसके पश्चात् भी यदि कुछ अनहोनी जीवन में हो जाती है तो उसे ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार करें और स्वयं को डिप्रेशन से बचायें। होमियोपैथी में ऐसी अनेक कारगर दवायें हैं जिनसे इलाज संभव है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रागिनी सिकरवार ने महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मैडम ने समाज के लिये उपयोगी इस कार्यक्रम में हमें जोड़ा। उन्होंने आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. दीपेश यादव एवं ऑनलाइन मीट में उपस्थित सभी सदस्यों का महाविद्यालय परिवार की ओर से आभार प्रकट किया। महाविद्यालयीन परिवार के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक सदस्यों के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. किरण तिवारी, डॉ. भारती दुबे, डॉ. मीना शुक्ला, डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ए. एस. खान, डॉ. आर. बी. शाह, डॉ. ज्योति जुनगरे, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. मनीष चौधरी , डॉ. आशीष सोहगौरा, डॉ. संगीता पारे, डॉ. रफीक अली, डॉ. निशा रिछारिया, अजय तिवारी , डॉ. नीतू पवार, श्रीमती नीता सोलंकी, रामसेवक शर्मा तथा कंप्यूटर विभाग और आई. टी. सेल के सदस्य श्रीमती आभा खाधवा, शैलेन्द्र तिवारी, देवेंद्र सैनी, डॉ. रीना मालवीय, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में मौजूद रहे।

वेद : वी ई डी - वैक्सीनेट एजुकेट डोनेट एक मूलमंत्र

पुत्र प्रदेत, नर्मदापुरम।

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग हेतु शासन द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय को जो कार्यभार दिया गया है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑनलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गूगल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद के अंतर्गत आज दिनांक 20 मई 2021 को

चौथा और अंतिम सत्र का आयोजन किया जा रहा है। आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन सुश्री शुचिता श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हैं। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज होम आइसोलेशन व्हाट्सएप्प समूह में आज पुनः 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी अनेक भ्रांतियाँ हैं जो कोरोना में बाधक बन रही हैं। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डाइटीशियन के परामर्श की महती आवश्यकता है ताकि कोरोना से जल्दी जीता जा सके। आजकल लोगों की जीवनशैली से शारीरिक श्रम विलुप्त हो चुका है जो बीमारियों का कारण बन रहा है। श्रम के साथ पोषण भी शरीर को मजबूत बनाता है और बीमारी से लड़ने में सहायता करता है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार समूह में चिकित्सा से सम्बंधित प्रश्न प्राप्त होते हैं जिनके चिकित्सकीय परामर्श हेतु कलेक्टर महोदय से चिकित्सक की सहायता माँगी है। अगले सप्ताह कोविड के दौरान लोग अनेक मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रसित हो रहे हैं, जिसके लिये मनोवैज्ञानिकों को इस ऑनलाइन सत्र में आमंत्रित किया जायेगा। आज के सत्र में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. कुलदीप दुबे जो कोविड सेंटर मालाखेड़ी होशंगाबाद में अपनी सेवायें दे रहे हैं ने कोरोना के लक्षण, सावधानी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रुचिकर तरीके से कोरोना के लिये वेद यानी ई डी के पूर्ण रूप को विस्तारित करके समझाया कि वी फॉर वैक्सीनेशन, ई फॉर एजुकेशन और डी फॉर डोनेशन। कोरोना महामारी के समय आप स्वयं भी और सभी लोगों को उपरोक्त इन तीन बातों के लिये जागरुक कीजिये। गूगल मीट में उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सा और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये। आज के सत्र में डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव, इंदौर से हमारे बीच जुड़ी। उन्होंने कोविड ग्रसित लोगों को पोषक आहार लेने की सलाह दी। साथ ही कीवी फल की उपयोगिता और उसके मूल्य के विषय में भी चर्चा की। आहार सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर भी उन्होंने दिये सो सभी के लिये उपयोगी सिद्ध रहे। महाविद्यालयीन स्टाफ सदस्यों के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ए. एस. खान, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ.कंचन ठाकुर, डॉ. दीपक अहिरवार, डॉ किरण विश्वकर्मा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. मनीष चौधरी , डॉ. आशीष सोहगौरा, डॉ. संगीता पारे, डॉ. विजया देवास्कर, आई. टी. सेल के सदस्य आभा वाधवा, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

भोपाल बुधवार 2 जून 2021 दैनिक स्वराज वाणी 8

सामुदायिक चिकित्सा कोरोना महामारी का एक हल

होशंगाबाद। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग का कार्य गूगल मीट की सहायता से ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से कर रहा है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं।

साथ ही गगूल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। साथ ही व्हॉट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से ऑफलाइन कार्य भी जारी है। अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य ने बताया कि काउंसलिंग द्वारा अनेक लोगों को शारीरिक, मानसिक एवं चिकित्सकीय समस्याओं के हल प्राप्त हुये हैं। ऑनलाइन मीटिंग में देशभर के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने महाविद्यालय के आमंत्रण पर इस कार्य में निशुल्क भागीदारी दी। उन्होंने बताया की 1 जून को सफलतापूर्वक चौथा सप्ताह पूर्ण हो रहा है, जिसमें 100 से अधिक सदस्य उपस्थित हैं। वैसे ईश्वर की अनुकम्पा से होम आइसोलेशन समूह में लोगों की संख्या लगातार कम हो रही है, यह शुभ संकेत हैं। इस कारण महाविद्यालय अगले सप्ताह से प्रतिसप्ताह एक ऑनलाइन सत्र करने जा रहा है, परन्तु आवश्यकतानुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है।

सामुदायिक चिकित्सा कोरोना महामारी का एक हल

युग प्रदेश, नर्मदापुरम।

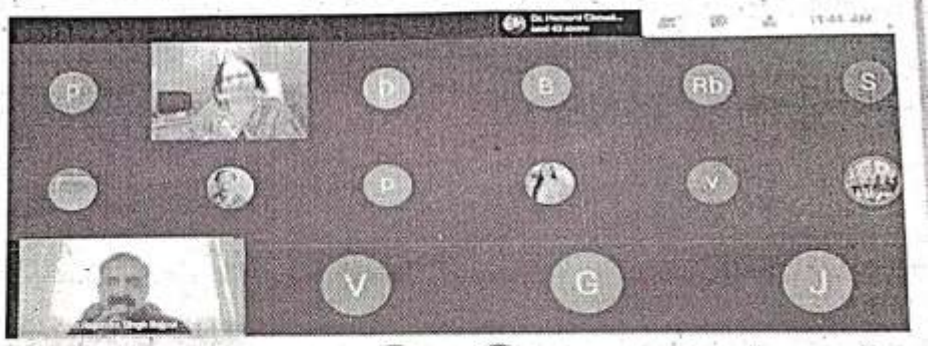

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग का कार्य गूगल मीट की सहायता से ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से कर रहा है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गगूल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। साथ ही व्हॉट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से ऑफलाइन कार्य भी जारी है। अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य ने बताया कि काउंसलिंग द्वारा अनेक लोगों को शारीरिक, मानसिक एवं चिकित्सकीय समस्याओं के हल प्राप्त हुये हैं। ऑनलाइन मीटिंग में देशभर के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने महाविद्यालय के आमंत्रण पर इस कार्य में निशुल्क भागीदारी दी। उन्होंने बताया की 1 जून को सफलतापूर्वक चौथा सप्ताह पूर्ण हो रहा है, जिसमें 100 से अधिक सदस्य उपस्थित हैं। वैसे ईश्वर की अनुकम्पा से होम आइसोलेशन समूह में लोगों की संख्या लगातार कम हो रही है, यह शुभ संकेत हैं। इस कारण महाविद्यालय अगले सप्ताह से प्रतिसप्ताह एक ऑनलाइन सत्र करने जा रहा है, परन्तु आवश्यकतानुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि हमारे बीच चन्देरवर, आजमगढ़ से पधारे डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत सामुदायिक चिकित्सा के विशेषज्ञ हैं। ऐसे गौरवपूर्ण व्यक्तित्व का महाविद्यालय परिवार स्वागत एवं अभिनन्दन करता है।सत्र में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत जो सामुदायिक चिकित्सा के विशेषज्ञ हैं ने कोरोना के लक्षण, सावधानी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रुचिकर तरीके से कोरोना के लिये कोरोना प्रोटोकॉल के अन्तर्गत हाथ धोकर, मास्क पहन कर, आपसी दूरी बनाकर आदि के द्वारा कैसे सुरक्षा कवच बनाया जा सकता है एवं लोगों को जागरूक किया जा सकता है ? गूगल मीट में उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सा और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये। आहार सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर भी उन्होंने दिये सो सभी के लिये उपयोगी सिद्ध रहे। उन्होंने कहा कि कोरोना से ठीक हुये व्यक्तियों के साथ लगभग 40 दिनों तक कोविद प्रोटोकॉल का पालन करना आवश्यक है। यह एकदम नया वायरस है इसलिये इसके साथ समता का भाव रखना होगा-न अधिक नकारात्मकता और न अधिक सकारात्मकता। हमें सजग होकर जीना होगा और लोगों को जागरूक करना होगा।सत्र के अंत में आभार प्रकट करते हुये कॉम्प्यूटर विभाग की डॉ. निशा रिछारिया ने इस कार्यक्रम की नींव रखने वाली आदरणीय प्राचार्य मैडम का धन्यवाद दिया। इसके उपरान्त चिकित्सकीय सिद्धांतों को समुदाय में पहुंचाने वाले आज के मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत जी का आभार व्यक्त करते हुये कहा की हमारे बीच ज्ञान के भण्डार स्वरूप वक्ता के वक्तव्य से आज की मीटिंग में उपस्थित सभी को लाभ हुआ है। आई टी सेल के सदस्यों एवं मीटिंग में उपस्थित सभी सदस्यों का भी आभार प्रकट किया। अगले सत्र की सूचना के साथ प्राचार्य की अनुमति से सत्र का समापन किया गया।

सत्ता सुधार **होशंगाबाद**

सामुदायिक चिकित्सा कोरोना महामारी का एक हल....

कोरोना से ठीक हुये व्यक्ति के साथ लगभग 40 दिनों तक कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना आवश्यक : डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत

होशंगाबाद (सत्ता सुधार)। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग का कार्य गूगल मीट की सहायता से ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से कर रहा है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गगूल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। साथ ही व्हॉट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से ऑफलाइन कार्य भी जारी है। अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य ने बताया कि काउंसलिंग द्वारा अनेक लोगों को शारीरिक, मानसिक एवं चिकित्सकीय समस्याओं के हल प्राप्त हुये हैं। ऑनलाइन मीटिंग में देशभर के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने महाविद्यालय के आमंत्रण पर इस कार्य में निशुल्क भागीदारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को सफलतापूर्वक चौथा सप्ताह पूर्ण हो रहा है, जिसमें 100 से अधिक सदस्य उपस्थित हैं। वैसे ईश्वर की अनुकम्पा से होम आइसोलेशन समूह में लोगों की संख्या लगातार कम हो रही है, यह शुभ संकेत है। इस कारण महाविद्यालय अगले सप्ताह से प्रतिसप्ताह एक ऑनलाइन सत्र करने जा रहा है, परन्तु आवश्यकतानुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है।

डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज हमारे बीच

चन्देसर, आजमगढ़ से पधारे डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत सामुदायिक चिकित्सा के विशेषज्ञ हैं। ऐसे गौरवपूर्ण व्यक्तित्व का महाविद्यालय परिवार स्वागत एवं अभिनन्दन करता है। आज के सत्र में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत जो सामुदायिक चिकित्सा के विशेषज्ञ हैं ने कोरोना के लक्षण, सावधानी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रुचिकर तरीके से कोरोना के लिये कोरोना प्रोटोकॉल के अन्तर्गत हाथ धोकर, मास्क पहन कर, आपसी दूरी बनाकर आदि के द्वारा कैसे सुरक्षा कवच बनाया जा सकता है एवं लोगों को जागरूक किया जा सकता है। गूगल मीट में उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सा और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये। आहार सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर भी उन्होंने दिये सो सभी के लिये उपयोगी सिद्ध रहे। उन्होंने कहा कि कोरोना से ठीक हुये व्यक्तियों के साथ लगभग 40 दिनों तक कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना आवश्यक है। यह एकदम नया वायरस है इसलिये इसके साथ समता का भाव रखना होगा - न अधिक नकारात्मकता और न अधिक सकारात्मकता। हमें सजग होकर जीना होगा और लोगों को जागरूक करना होगा। सत्र के अंत में आभार प्रकट करते हुये कॉम्प्यूटर विभाग की डॉ. निशा रिछारिया ने इस कार्यक्रम की नींव रखने वाली प्राचार्य श्रीमती जैन को धन्यवाद दिया। इसके उपरान्त चिकित्सकीय सिद्धांतों को समुदाय में पहुंचाने वाले आज के मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत जी का आभार व्यक्त करते हुये कहा की हमारे बीच ज्ञान के भण्डार स्वरूप वक्ता के वक्तव्य से मंगलवार की मीटिंग में उपस्थित सभी को लाभ हुआ है।

इस ऑनलाइन सत्र में महाविद्यालयीन स्टाफ सदस्यों के रूप में में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार, डॉ. किरण तिवारी, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. भारती दुबे, डॉ. पुष्प दुबे, डॉ. ए. एस. रहान, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. कंचन ठाकुर, पंडित रामसेवक शर्मा, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, डॉ. रफीक अली, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. मनीष चौधरी डॉ. आशीष सोहगौरा, डॉ. संगीता पारे, डॉ. विजया देवास्कर, अजय तिवारी, डॉ. मनीषा तिवारी, डॉ. दशरथ मीना, डॉ. नीतू पवार, श्रीमती नीता सोलंकी तथा कॉम्प्यूटर विभाग और आई. टी. सेल के सदस्य श्रीमती आभा वाधवा, श्री शैलेन्द्र तिवारी, श्री देवेंद्र सैनी, डॉ. रिना मालवीय, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव आदि मौजूद रहे।

महाविद्यालय करेगा आनलाइन सत्र

- **आनलाइन कांउसलिंग का चौथा सप्ताह हुआ सफलतापूर्वक पूर्ण**

होशंगाबाद(ईएमएस)। शा. गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसलिंग का कार्य गूगल मीट की सहायता से ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से कर रहा है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गगूल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। साथ ही वॉट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से ऑफलाइन कार्य भी जारी है। अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य ने बताया कि काउंसलिंग द्वारा अनेक लोगों को शारीरिक, मानसिक एवं चिकित्स्कीय समस्याओं के हल प्राप्त हुये हैं। ऑनलाइन मीटिंग में देशभर के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने महाविद्यालय के आमंत्रण पर इस कार्य में निशुल्क भागीदारी दी। उन्होंने बताया मंगलवार को सफलतापूर्वक चौथा सप्ताह पूर्ण हो रहा है, जिसमें 100 से अधिक सदस्य

उपस्थित हैं। वैसे ईश्वर की अनुकम्पा से होम आइसोलेशन समूह में लोगों की संख्या लगातार कम हो रही है, यह शुभ संकेत हैं। इस कारण महाविद्यालय अगले सप्ताह से प्रतिसप्ताह एक ऑनलाइन सत्र करने जा रहा है, परन्तु आवश्यकतानुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है। सत्र में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत जो सामुदायिक चिकित्सा के विशेषज्ञ हैं ने कोरोना के लक्षण, सावधानी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रुचिकर तरीके से कोरोना के लिये कोरोना प्रोटोकॉल के अन्तर्गत हाथ धोकर, मास्क पहन कर, आपसी दूरी बनाकर आदि के द्वारा कैसे सुरक्षा कवच बनाया जा सकता है एवं लोगों को जागरूक किया जा सकता है ? गूगल मीट में उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सा और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये।

देश होशंगाबाद yugpradesh.com होशंगाबाद, मंगलवार 08 जून 2021 08

टीकाकरण के प्रति जन जागरूकता पर वेबिनार आयोजित, वैक्सीन आपका सुरक्षा घेरा है - चंद्रशेखर वालिम्बे

दूत प्रदेश, नर्मदापुरम।

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में सोमवार 7जून को कोविड 19 टीकाकरण अभियान: सामाजिक जागरूकता के लिए युवाओं की भूमिका विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए टीकाकरण अभियान में तेजी से चलाया जा रहा है परंतु टीकाकरण को लेकर कई जगह ऐसी स्थिती देखने को मिल रही हैकि लोगों के मन में इसको लेकर भ्रांतियां व्याप्त हैं, जिसका मुख्य कारण जनसामान्य में टीकाकरण को लेकर जानकारी का अभाव है।महाविद्यालय द्वारा आज के वेबिनार का प्रमुख उद्देश्य टीकाकरण के लिए जन जागरूकता लाने का प्रयास करना है।वेबिनार में उच्च शिक्षा आयुक्त श्री चंद्रशेखर वालिम्बे ने

महामारियों का इतिहास बताते हुए कहा कि हमने कोरोना से पहले भी सन 1918 में स्पेनिश फ्लू नाम की महामारी झेली है, जिसके लगभग 100 साल बाद कोरोना नामक महामारी आई है। कोरोना एक कुटिल एवं चालाक वायरस है जो शरीर में प्रवेश करता है लेकिन शरीर को एहसास नहीं होने देता है। हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम के लिए यह वायरस नया है,इसलिए वैक्सीन के द्वारा ही शरीर में कोरोना के विरुद्ध इम्यूनिटी उत्पन्न की जा सकती है। अगर वैक्सीन लगवाने के बाद में कोरोना का संक्रमण हो भी जाता है फिर भी वायरल लोड कम होता है। वैक्सीनेशन हमारा सुरक्षा घेरा है। वैक्सीनेशन के द्वारा हम स्वयं एवं हमारे आसपास के अन्य लोगों को कोरोना से सुरक्षा कर सकते है।वालिम्बे ने बताया की शरीर को इम्यून करने के दो ही तरीके है प्राकृतिक एवं टीकाकरण।वेबिनार की संयोजक एवं वनस्पति शास्त्र की विभाग अध्यक्ष डॉ शालिनी सिकरवार ने बताया कि विश्व के सभी देशों के वैज्ञानिकों ने अथक परिश्रम से इस महामारी के जड़ से उन्मूलन के लिए वैक्सीन बनाने की दिशा में जो कार्य किये है वो वास्तविकता में सभी के लिए गर्व का विषय है। अतः एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते सभी को कोविड टीकाकरण के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है।डॉ अजीत चौधरी डॉक्टर पोस्टडॉक्टोरल सिर्च फेलो स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी कैलिफोर्निया यूएसए ने कोरोना वायरस की उत्पत्ति, लक्षण एवं परीक्षण एवं उपचार पद्धतियों का विस्तार से उल्लेख किया। स्कूल आफ मेडिसिन पॉमिलवेनिया यूएसए के डॉ सुशील कुमार ने बताया कि कोरोनावायरस या इसके किसी वेक्टर को म्यूट कर शरीर में प्रवेश कराया जाता है जिससे शरीर में उस वायरस के विरुद्ध इम्यूनिटी उत्पन्न होती है उन्होंने वैक्सीन के प्रकार एवं क्रिया विधि पर विस्तार से प्रकाश डाला।वेबिनार में मध्य प्रदेश स्वास्थ्य सेवा के पूर्व निदेशक डॉ जे एल मित्रा ने वैक्सीन की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉक्टर दीपेश यादव ने शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने के लिए होम्योपैथिक दवाइयों की जानकारी दी।वेबीनार का सफल संचालन डॉक्टर मनीष चंद्र चौधरी जी ने किया एवं आभार डॉ अखिलेश यादव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं ऑनलाइन उपस्थित रहें।

' पहला सुख निरोगी काया ' : डॉ. महेंद्र सिंह रघुवंशी

सरकारें में हमारा सहर संवाददाता, होशंगाबाद

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के मार्गदर्शन में क्लीनिकल न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स विभाग द्वारा एक्टिव न्यूट्रिशन इन इम्युनिटी बूस्टर सप्लीमेंट विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग भोपाल नर्मदापुरम संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. महेंद्र सिंह रघुवंशी ने कहा की मार्च 2019 से कोरोना महामारी की वजह से हमने आपस में हाथ मिलाना एवं गले मिलना बंद कर दिया और हाथ जोड़कर अभिवादन करना शुरू किया।अभिवादन की इस भारतीय परम्परा का प्रसार समूचे विश्व में हुआ। कोरोना काल में हमने ऑक्सीजन का महत्व जाना है इसलिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें एवं लगाए गए वृक्षों की जिम्मेदारी स्वयं लेने और इम्युनिटी बढ़ाने के लिए संतुलित आहार का आग्रह किया। प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने बताया कि कोविड-19 में व्हाट्सएप पर सूचनाओं की बाढ़ सी आ गई जिससे हम सब भ्रमित हो रहे हैं कि कोरोनावायरस के पहले व बाद में अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने के लिए क्या खाएं एवं

क्या ना खाएं? इस समस्या को ध्यान में रखते हुए सीएनडी विभाग द्वारा वेबीनार के लिए इस विषय का चयन किया गया है। विभाग द्वारा एक रेसिपी कांटेस्ट का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें इम्युनिटी बूस्टर व्यंजनो को सम्मिलित किया गया है। विभाग द्वारा इनका पोषणीय मूल्य निकाला जाएगा और यह प्रयास किया जाएगा कि एक सर्विंग में कितने कितने पौष्टिक तत्व प्राप्त हो रहे हैं इसका पता चले , साथ ही कम लागत के इम्युनिटी बूस्टर व्यंजन को किस तरह तैयार कियया जा सके इसका ज्ञान प्राप्त हो। क्लिनिकल न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि जिस प्रकार लॉकडाउन से प्रकृति अनलॉक हुई और प्रकृति को बूस्टर मिला उसी तरह कोरोनावायरस के समय मनुष्य के जीवन में पोषण एक बूस्टर की तरह कार्य कर रहा है, और हमारे आहार में कई ऐसे सक्रिय पोषक तत्व है जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में बूस्टर की तरह कार्य करते हैं जिससे मनुष्य में लंबे समय तक उसकी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद मिलती हैं और जब तक सम्मिलित पोषक तत्वों की उपस्थिति आहार में नहीं होगी व्यक्ति का इम्यून सिस्टम उत्तम नहीं होगा।वर्तमान परिस्थिति में मनुष्य के जीवन का महत्वपूर्ण टैगलाइन अब बनेगा हर एक निवाला इम्यूनिटी बढ़ाने वाला बन गई है। इन्हीं विचारों के साथ विभाग द्वारा एक्टिव न्यूट्रिएंट्स हेल्प इन इम्यूनिटी बूस्टर सप्लीमेंट विषय पर वेबीनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबीनार की संयोजक डॉ रीना मालवीय ने बताया कि महामारी के इस दौर में हम अक्सर विशेष खाद्य पदार्थ विटामिन्स और मिनरल्स की तलाश करते हैं क्योंकि यह तत्व हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं परंतु हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बूस्टर की संरचना थोड़ी जटिल होती है। संतुलित आहार के साथ साथ कुछ अन्य कार्य जैसे पर्याप्त नींद व्यायाम शरीर को संक्रमण से लड़ने की क्षमता देता है। इस महामारी ने हमें अपने सीमित साधनों एवं घरेलू सामग्री का उपयोग करना सिखा दिया है।

महाविद्यालय में वैक्सीनेशन कैम्प : जिले में कोरोना वैक्सीन महा अभियान के अंतर्गत बुधवार दिनांक 23 जून 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया। जिसमें 250 को वैक्सीन का लक्ष्य रखा गया जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें 95 छात्राएँ 25 महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं 130 अन्य व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया। छात्राओं ने महाविद्यालय में इस तरह के और भी कोरोना टीकाकरण केम्प आयोजित करवाने की मॉग की।

आज का टीकाकरण कार्यक्रम डॉ सीतासरन शर्मा जी विधायक होशंगाबाद एवं भाजपा नेता श्री पीयूष शर्मा जी के सहयोग से आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान, तहसीलदार सुश्री निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नलिनी गौड़, डॉ. सुनील जैन, डॉ. कोक सिंह एवं टीकाकरण नोडल अधिकारी श्री योगेंद्र परसाई जी का सहयोग भी प्राप्त हुआ।

टीकाकरण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार एवं डॉ मनीष चंद्र चौधरी, सुश्री सौम्या चौहान, श्रीमती किरण विश्वकर्मा एवं अन्य कालेज स्टाफ उपस्थित रहे।

वैक्सीनेशन टीम में श्री सत्येंद्र कुमार यादव, श्रीमती ज्योति मालवीय, श्रीमती सोनिया जाटव, सुश्री कीर्ति कटारे, सुश्री रक्षा यादव एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अंजना बस्तवार एवं अनिता नागवंशी, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती सुशीला, श्रीमती दुलारी, आदि उपस्थित रहे।

वैक्सीन महा अभियान का द्वितीय चरण : जिले में कोरोना वैक्सीन महा अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत दिनांक 24 जून 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया। जिसमें 200 को वैक्सीन का लक्ष्य रखा गया जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें 91 छात्राएँ 9 महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं 150 अन्य व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया। छात्राओं की संख्या अधिक होने के कारण अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान से अनुरोध कर 50 वैक्सीन और बुलवाये गये। छात्राओं ने महाविद्यालय में इस तरह के और भी कोरोना टीकाकरण केम्प आयोजित करवाने की मॉग की।

टीकाकरण कार्यक्रम डॉ सीतासरन शर्मा जी विधायक होशंगाबाद एवं भाजपा नेता श्री पीयूष शर्मा जी के सहयोग से सतत आयोजित हो रहे है। इस कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान, तहसीलदार सुश्री निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नलिनी गौड़, डॉ. सुनील जैन, डॉ. कोक सिंह एवं टीकाकरण नोडल अधिकारी श्री योगेंद्र परसाई जी का सहयोग भी सतत प्राप्त हो रहा है।

टीकाकरण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया। प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय स्टाफ का 99.5 प्रतिशत टीकाकरण हो चुका है स्वास्थ्य कारणों से 0.5 प्रतिशत स्टाफ टीकाकरण नही करवा पा रहा है। छात्राओं की जानकारी ली जा रही है जिन छात्राओं ने टीके नही लगवायें है उनके लिए पुनः टीकाकरण केम्प लगाने का अनुरोध डॉ सीतासरन शर्मा जी विधायक होशंगाबाद, भाजपा नेता श्री पीयूष शर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान से किया है। इस टीकाकरण कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार एवं डॉ मनीष चंद्र चौधरी, सुश्री सौम्या चौहान एवं अन्य कालेज स्टाफ उपस्थित रहे।

वैक्सीनेशन टीम में श्रीमती ज्योति मालवीय, सुश्री कीर्ति कटारे, सुश्री रक्षा यादव एवं सहायिका श्रीमती अनीता उईके, श्रीमती श्यामा विश्वकर्मा, आदि उपस्थित रहे।

होमसाइंस कॉलेज में वर्कप्लेस कोरोना वैक्सीनेशन में 1237 को लगा टीका

जागरण होशंगाबाद। जिले में कोरोना वैक्सीन महाअभियान के अंतर्गत शासकीय गृह विज्ञान कालेज में तीन दिवसीय टीकाकरण कार्यक्रम वर्कप्लेस कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया, जिसमें 1237 कोवीशील्ड का प्रथम एवं द्वितीय डोज एवं कोवैक्सीन द्वितीय डोज का लक्ष्य रखा गया। वैक्सीनेशन के दौरान महाविद्यालय के स्टॉफ, छात्राएं एवं अन्य लोग कोरोना वैक्सीनेशन में शामिल हुए। महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं छात्राओं का वेक्सीनेशन शत-प्रतिशत रहा एवं अन्य लोगों की संख्या अधिक होने के बाद भी वैक्सीनेशन कार्य सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। अन्य लोगों ने मांग की कि आगे भी इसी तरह के टीकाकरण कैंप महाविद्यालय में आयोजित किए जाए। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि वर्कप्लेस पर कालेज की छात्राओं एवं स्टाफ का कोवैक्सीन का द्वितीय डोज वैक्सीनेशन पूर्ण हुआ। इस टीकाकरण कार्यक्रम में दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता दी गई।

वैक्सीनेशन वनस्पति शास्त्र विभाग में आयोजित किया गया। जिसमें विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा एवं भाजपा नेता पीयूष शर्मा का सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही एसडीएम फरहीन खान, तहसीलदार निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नलिनी गौड़ एवं नोडल अधिकारी योगेंद्र परसाई का सहयोग भी प्राप्त हुआ। उपरोक्त वैक्सीनेशन प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें टीकाकरण कार्यक्रम वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार एवं डॉ मनीषचंद्र चौधरी, सुश्री सौम्या चौहान, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. अखिलेश यादव, आशीष सौहगौरा, डॉ. नीतू पवार एवं देवेंद्र सैनी आदि उपस्थित थे। वैक्सीनेशन टीम की प्रभारी श्रीमती कांति ठाकुर, आयुष मेडीकल अधिकारी डॉ. विनय यादव, श्रीमती अनिता बुधौलिया, श्रीमती सुषमा तेकाम, सोनम बाथरिया, पूर्वी दुबे, मनीषा पाल, विनीता सराठे, सीमा मालवीय, आंगनवाडी कार्यकर्ता स्वेता मुदगल, अंजुला चौरसिया एवं सहायिकाएं आदि उपस्थित रहे। पुलिस विभाग से एएसआई सुखनंदन, कैलाश, प्रदीप चौरे एवं सुनील जोशी ने सहयोग प्रदान किया। इस कार्य में महाविद्यालय की एनसीसी की छात्राएं सुश्री वैष्णवी राजपूत, वर्षा मालवीय, निधि राजपूत, मधु शर्मा, रक्षा कलोशिया, दीपिका राजपूत, दुर्गा जोशी ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय परिवार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

"वैश्विक महामारी कोविड–19 में एनजीओ की भूमिका" : शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में दिनांक 16 जून 21 को समाजकार्य एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय "वैश्विक महामारी कोविड–19 में एनजीओ की भूमिका" वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वेबीनार का विषय समयानुकूल है। इस वेबीनार में मुख्य अतिथि श्री कुमार कलानंद मणि, विशिष्ट वक्ता डॉ अभिनेष रावत ,मुख्य वक्ता श्री विकास जैन, विभागाध्यक्ष डॉ कंचन ठाकुर एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अध्यक्ष के रूप में अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की।

मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात वेबीनार का शुभारंभ किया गया। स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कोविड–19 से जो वैश्विक समस्या उत्पन्न हुई है उसके निवारण हेतु एनजीओ ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। वर्तमान समय में इस महामारी के पश्चात भयावह स्थितियां बनी हैं उन स्थितियों से निकलने में एनजीओ ने आम जनमानस का भरपूर सहयोग किया है, परिवहन, ऑक्सीजन, प्लाज्मा डोनर ,अस्पतालों में बेड की व्यवस्था, टीकाकरण के लिए जागरूकता लाने में एनजीओ ने सक्रिय भूमिका अदा की है। एनजीओ हमारे जीवन एवं समाज का और अधिक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। महाविद्यालय भविष्य में समाजकार्य एवं समाजशास्त्र के सहयोग से एनजीओ का निर्माण करेगा ,जिससे अध्ययनरत एवं अध्ययन पूर्ण कर चुकी छात्राएं जुड़कर समाज को सहयोग प्रदान कर सकें।

कोरोना महामारी में एनजीओ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

विभागाध्यक्ष डॉ. कंचन ठाकुर ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि संपूर्ण विश्व को इस महामारी ने आहत किया है। जब दुनिया कोरोना से जूझ रही थी तब बहुत सारे एनजीओ मदद के

लिए आगे आए । लगभग 9475 अशासकीय संस्थाओं ने जरूरतमंद लोगों की मदद कर राष्ट्रहित में अपना सहयोग प्रदान किया।

मुख्य अतिथि श्रीकुमार कलानंद मणि (पीस सोसायटी गोवा) ने अपने वक्तव्य में बताया कि किस प्रकार एनजीओ को पंजीकृत करवाकर समाज कार्य किया जा सकता है। लगभग 32 क्षेत्रों में एनजीओ का हस्तक्षेप है। कोविड–19 के समय इन्होंने अपनी सीमित शक्ति के साथ पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। कोरोना की दूसरी लहर समाप्ति पर है परंतु यह कोरोना की समाप्ति नहीं है। अब समय आ गया है कि समाज ,शैक्षणिक संस्थान एवं प्रत्येक व्यक्ति को एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ खड़ा होना है।

विशिष्ट वक्ता डॉ अभिनेष रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि एनजीओ समाज एवं प्रशासन के बीच में मध्यस्थता का कार्य करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के माध्यम से जरूरतमंद की सहायता करने का प्रयास किया गया है। समाज सुधार, कुरीतियों एवं भ्रांतियों को दूर करने में, टीकाकरण के लिए जागरूकता में, एनजीओ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

INDORE

www.freepressjournal.in FREE PRESS

THURSDAY | JUNE 17, 2021 | BHOPAL

NGOs' role during pandemic hailed

FP NEWS SERVICE
Hoshangabad

The social work department of the government post graduate home science college has organised a webinar on the role of voluntary organisations during Covid-19.

In her inaugural speech, principal of the college Kamini Jain said that the NGOs had played an important role in dealing with the problems arising out of the pandemic.

The members of various voluntary organisations arranged for beds in hospitals, oxygen cylinders, plasma, vehicles for patients and vials, Jain said. She further said that the NGOs had become an important part of the society.

The college plans to set up NGOs with the help of the social work department so that the students studying in the college may become part of those voluntary organisations and connect with the society, she said. Head of the department Kanchan Thakur said that the pandemic had destroyed the world.

When the virus was raging through the world, nearly 9, 475 voluntary organisations helped the people, Thakur said.

Chief guest Shrikumar Kala Nand Mani spoke about how to get a voluntary organisation registered.

The NGOs are working in 32 sectors and how they worked during the pandemic during the pandemic, he further said.

According to him, the second wave of the pandemic is on the wane, but it is not the end of the virus, and the time has come to fight down the virus with the help of educational and other institutions.

Special speaker Avinesh Rawat said that the voluntary organisations work as a link between the society and the administration. They made efforts to help the needy through the national rural employment scheme, he said, adding that they worked hard to drive away the superstitions from the society.

n therapy for patients at Cancer Hospital

श्री विकास जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश में लगभग 31 लाख एनजीओ हैं। वर्तमान में एनजीओ की सबसे बड़ी भूमिका है लोगों को सही जानकारी देना। हम दिनचर्या एवं जीवन को नियम वद्ध करके ही कोरोना को हरा सकते हैं।

''मोती अगर पाना है तो गहराई में गोता लगाना पड़ेगा'' – डॉ. रेणुबाला शर्मा

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 15 जून 2021 को राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया । ''चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटी ऑफ फैशन एंटरप्रेन्योरशिप'' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ रेणुबाला शर्मा, विशिष्ट वक्ता डॉ हर्षा झारिया एवं श्री धर्मेंद्र सिंह ,फैशन डिजाइनिंग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ संगीता अहिरवार एव महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी

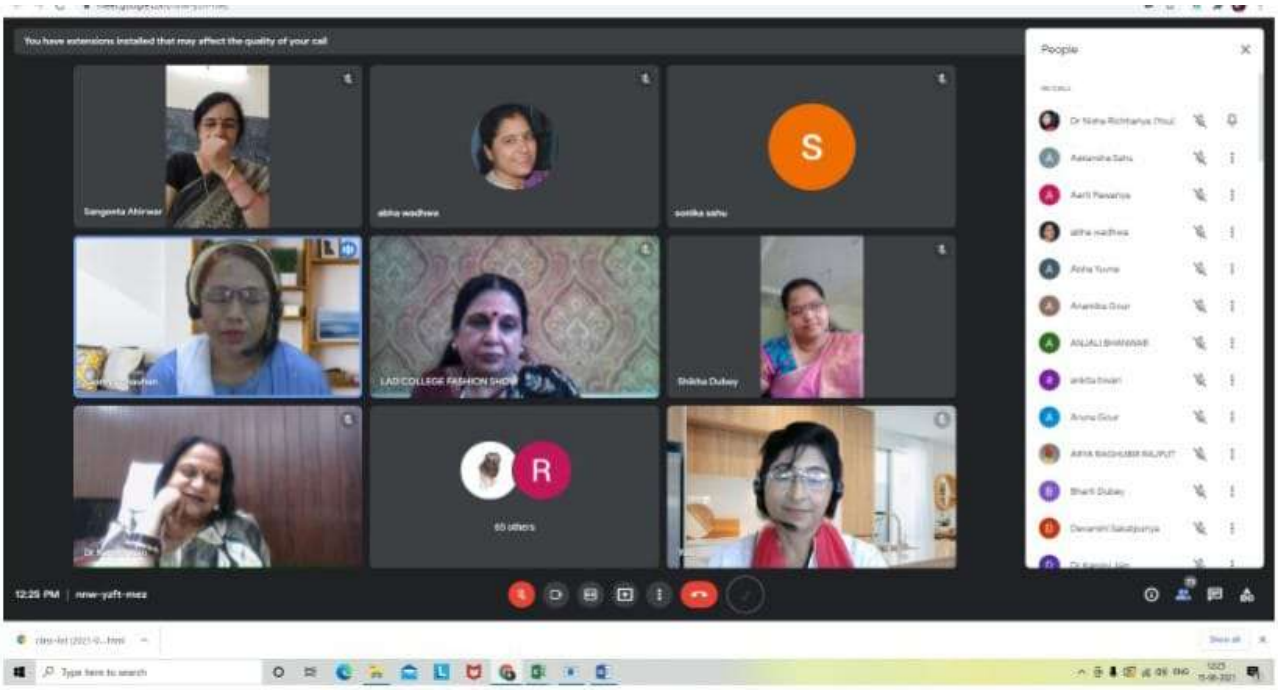

गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

वेबीनार का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि कोविड–19 लॉक डाउन के बाद फैशन उद्योग अपने भविष्य को लेकर आशंकित है। लॉक डाउन का उद्योग धंधों पर बुरा असर पड़ा है ,कुछ माह पहले तक सफलता की बुलंदियों को छू रहे फैशन उद्योग की भी हालत ठीक नहीं है। उद्योग के जानकारों का कहना है कि कोरोनावायरस ने उन्हें एक दशक पीछे धकेल दिया है लॉकडाउन के कारण आमदनी में कमी आई है। फैशन ट्रेंड का अनुसरण करने वाले ग्राहकों की प्राथमिकता सूची से कीमती महंगे परिधान बाहर हो गए हैं। फैशन उद्योग को लेकर अलग से कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं है ,कोरोना महामारी ने लोगों के

जीवन और जीविका दोनों पर ही संकट पैदा किया है। परंतु जब हम फैशन के अनुसार पहनावा पहनते हैं तो मन उत्साहित एवं आत्मविश्वास से भरा होता है भविष्य में महाविद्यालय द्वारा जरूरतमंद छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु स्माल स्केल इंडस्ट्रीज का शुभारंभ स्व सहायता समूह के सहयोग से किया जाएगा। आज की व्याख्यानमाला फैशन डिजाइनिंग की छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

फैशन डिजाइनिंग की विभागाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि फैशन हमेशा से ही युवाओं को आकर्षित करते आ रहा है। फैशन हमारी परंपरा का हिस्सा है ,फैशन कभी पुराना नहीं होता है। फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में एक शानदार भविष्य बनाया जा सकता है ।

विषय प्रवर्तन करते हुए श्रीमती नीलम चौधरी ने बताया कि मानव फैशन को किसी ना किसी रूप में अपनाते आ रहा है और इसे अपनाकर अपने आप को संतुष्ट करते है जिससे हम कुछ नया करने के लिए प्रेरित होते है। फैशन हमारे व्यक्तित्व को और अधिक आकर्षक बनाता है।

मुख्य अतिथि डॉ रेणु बाला शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भविष्य की संभावनाओं के लिए फैशन डिजाइनिंग बेहतर विकल्प है । उद्यमी एक हार्ड वर्कर के साथ–साथ स्मार्ट वर्कर भी होना चाहिए ।फैशन हमें नएपन का एहसास दिलाता है । मोती अगर आपको पाना है तो गहराई में गोता लगाना ही होगा। फैशन डिजाइनिंग में चैलेंज है तो अपार संभावनाएं भी हैं।

मुख्य वक्ता डॉ हर्षा झारिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि फैशन डिजाइनिंग में अत्यंत सुनहरा भविष्य है। मानव अपने पहनावे के प्रति अत्यंत सजग होता है, इसलिए इस क्षेत्र में स्वयं का व्यवसाय एवं रोजगार की बहुत अधिक संभावना रहती है। फैशन डिजाइनर को नई चीजें सीखने की रूचि होना चाहिए।

श्री धर्मेंद्र सिंह ने अपने उदबोधन में कहा कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है। फैशन स्वयं की अभिव्यक्ति, विचारों ,भावनाओं को व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है।

नो रिस्क नो बिजनेस – डॉ. अविनाश पी. श्रीवास्तव

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में प्रबंधन विभाग द्वारा ''न्यू डाइमेंशंस ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड बिजनेस अपॉर्चुनिटी इन पोस्ट कोविड–19 सिचुएशन'' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन

के साथ किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि वर्तमान समय कि इस स्थिति नें हमें बहुत सारी चीजें सिखाई है, जिसमें आज हम वर्क फ्रॉम होम के साथ ऑनलाइन बिजनेस को भी बढ़ावा दे रहे हैं, उन्होंने बताया कि यही आधुनिक भारत है जहां सभी छोटी–बड़ी वस्तुएं एवं प्रबंधन से जुड़े व्यापार, ऑनलाइन शॉपिंग, स्कूल तथा महाविद्यालय में ऑनलाइन कक्षाएं नए आयामों के रूप में हमारे सामने देखने को मिली है, प्राचार्य द्वारा सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

वेबीनार कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती अंकिता तिवारी ने अपने विषय प्रवर्तन मैं टॉपिक को चयन करने का मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि संपूर्ण विश्व में कोविड–19 महामारी घोषित हुई और लॉकडाउन हुआ जिससे भारत ही नही अपितु विश्व की आर्थिक स्थिति में काफी प्रभाव पड़ा जिससे छोटे–बड़े हर तरह के व्यापार में उतार–चढ़ाव एवं लाभ–हानि देखने को मिली, परंतु इस स्थिति में प्रबंधन और ई–कॉमर्स ने लॉकडाउन में भी इन परिस्थितियों में सुधार का प्रयास किया गया। वेबीनार को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य यह जानने का प्रयास किया गया कि कोविड–19 महामारी के चलते व्यापार में क्या नये अवसर उत्पन्न हो सकते है जिससे व्यापार के नए आयाम को समझा जा सके।

नो रिस्क नो बिजनेस डॉ. अविनाश पी. श्रीवास्तव

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हमीदिया महाविद्यालय भोपाल के प्राचार्य, डॉ अनिल शिवानी ने अपने वक्तव्य में बताया कि व्यवसाय समाज से जुड़ा होता है और दोनों एक दूसरे के पूरक होते हैं। समाज में परिवर्तन आने पर व्यवसाय एवं उसके प्रबंधन में भी परिवर्तन आ जाता है। समाज की परंपराएं, रीति–रिवाज, मान्यताएं सभी में प्रबंधन की आवश्यकता होती है, समयानुसार प्रबंधन में भी परिवर्तन आता रहा है जो इस समाज को नए सुझावों से अवगत कराता रहता है।

विषय विशेषज्ञ के रूप में वात्सल्य स्कूल मंदसौर के डॉ. अविनाश श्रीवास्तव ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि आपदा के समय व्यापार का प्रबंधन किस तरह किया जाता है, आपदा प्रबंधन में मजबूती के साथ खड़े रहे और किसी भी परिस्थिति से घबराकर हारना नहीं चाहिए बल्कि दृढ़ निश्चय के साथ उसका डटकर सामना करना चाहिए तभी आपको

सफलता प्राप्त होगी। डॉ. अविनाश पी. श्रीवास्तव द्वारा लघु उद्योग एवं हर्बल उद्योग के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि यह छोटे पैमाने से शुरू होकर बडे आयामों तक पहुँचाया जा सकता है।

अगले विषय विशेषज्ञ के रूप में नर्मदा महाविद्यालय होशंगाबाद के डॉ. केशव मिश्रा ने बताया कि कोविड–19 में लॉकडाउन के समय में व्यापार ठप हो जाता है इस दौरान हम ई–कॉमर्स एवं डिजिटल पेमेंट पर ही पूर्ण तरह निर्भर हो जाते हैं। नौकरी करने वालों की नियोक्ता के द्वारा घर से कार्य करने की सुविधा प्रदान की जाती है जिससे कोविड–19 महामारी जैसी बीमारी से बचा जा सके। इस दौरान हमने विभिन्न तरह के लाभ भी देखे गए जैसे– अच्छा स्वास्थ्य, समय एवं धन की बचत, परिवार की साथ समय व्यतीत करना। मुख्य वक्ता द्वारा बेवीनार में छात्राओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का विस्तृत विवरण दिया गया।